उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्ष: 10 || अंक:51 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 19 जनवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर | सनक, शक और मर्डर: पसंदीदा जैकेट दिलाई, फिर भी प्यार में धोखा दिया 8 | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत पर जनता को दिया धन्यवाद 5

प्रधानमंत्री मोदी ने असम में दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

» बीपीएस न्यूज

कालियाबोर (असम)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिवसीय असम दौरे के दौरान रविवार को उन्होंने नागांव जिले के कालियाबोर में 6,950 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी और दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के कालियाबोर-नुमालीगढ़ खंड के चार लेन विस्तार से संबंधित है। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के साथ काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की जैव विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा था कि वे कालियाबोर में महत्वपूर्ण विकास कार्यों के भूमि पूजन को लेकर उत्सुक हैं।उन्होंने उल्लेख किया कि काजीरंगा से होकर गुजरने वाला 35 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर विशेष रूप से मानसून के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा में सहायक होगा और इससे संपर्क व्यवस्था में भी सुधार आएगा। करीब 86 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 35 किलोमीटर का एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर शामिल है, जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र से होकर गुजरेगा। इसके अलावा 21 किलोमीटर का बाईपास खंड विकसित किया जाएगा, जबकि मौजूदा एनएच-715 के लगभग 30 किलोमीटर हिस्से को दो लेन से चार लेन में विस्तारित किया जाएगा।

यह कॉरिडोर नागांव, कार्बी आंगलोंग और गोलाघाट जिलों से होकर गुजरेगा, जिससे ऊपरी असम, विशेष रूप से डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया के साथ सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना से वन्यजीवों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होने के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही सड़क सुरक्षा में सुधार, यात्रा समय और दुर्घटना दर में कमी तथा बढ़ते यात्री एवं माल परिवहन को समर्थन मिलने की संभावना है। परियोजना के तहत जाखलबंधा और बोकाखाट में बाईपास का निर्माण किया जाएगा,

जिससे शहरी क्षेत्रों में यातायात दबाव घटेगा और स्थानीय आवागमन सुगम होगा।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी (कामाख्या)-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस और डिब्रूगढ़-लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन नई रेल सेवाओं से पूर्वोत्तर और उत्तरी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी

और यात्रियों के लिए सुरक्षित तथा सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा, असम सरकार में मंत्री अतुल बोरा, केशव महानता समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

दुकान में देवी-देवता की तस्वीर रखने पर आपत्ति
हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट पीटकर हत्या

» बीपीएस न्यूज

ढाका। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक उन्माद की एक और भयावह घटना सामने आई है, जहां एक हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोग काली मयरा के नाम से जानते थे। वह कालीगंज नगरपालिका से सटे बड़नगर रोड स्थित बैसाखी स्वीट एंड होटल के मालिक थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे दुकान में काम करने वाले 17 वर्षीय हिंदू किशोर कर्मचारी अनंत दास के साथ मारपीट शुरू हुई। आरोप है कि मासूम मिया (28) नामक युवक दुकान में आया और दुकान में लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों पर आपत्ति जताई। उसने कहा कि दुकान में इस तरह की तस्वीरें रहने से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ हराम हो जाते हैं और मुस्लिम देश में इस तरह का व्यापार नहीं चल सकता।जब कर्मचारी अनंत दास ने इसका विरोध किया तो मासूम मिया ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए धार्मिक आधार पर अपमानित किया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मासूम के पिता स्वपन मिया (55) और मां माजेदा खातून (45) भी मौके पर पहुंच गए और तीनों ने मिलकर कर्मचारी को पीटना शुरू कर दिया।

स्थिति को शांत करने और अपने कर्मचारी को बचाने के लिए जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष आगे आए तो हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक चरण में हमलावरों ने बेलचे से लिटन घोष के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।घटना के तुरंत बाद लोगों ने तीनों हमलावरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद स्वपन मिया, माजेदा खातून और मासूम मिया शामिल हैं, जो कालीगंज उपजिला के बालीगांव इलाके के निवासी बताए गए हैं।

इस निर्मम हत्याकांड से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी असुरक्षा और भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित था और लंबे समय से चले आ रहे सांप्रदायिक द्वेष का परिणाम है।

कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद जाकिर हुसैन ने बताया कि घटना के बाद तीनों आरोपितों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मृतक के शव को बरामद कर मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

सांप्रदायिक मुद्दा उठाकर सार्वजनिक रूप से एक हिंदू व्यवसायी की हत्या की इस घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपित परिवार कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा हुआ है और इससे पहले भी हिंदू परिवारों के साथ कई बार विवाद और उकसावे की घटनाओं में शामिल रहा है।ढाका, 17 जनवरी (हि.स.)। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक उन्माद की एक और भयावह घटना सामने आई है, जहां एक हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोग काली मयरा के नाम से जानते थे। वह कालीगंज नगरपालिका से सटे बड़नगर रोड स्थित बैसाखी स्वीट एंड होटल के मालिक थे।प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे दुकान में काम करने वाले 17 वर्षीय हिंदू किशोर कर्मचारी अनंत दास के साथ मारपीट शुरू हुई। आरोप है कि मासूम मिया (28) नामक युवक दुकान में आया और दुकान में लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों पर आपत्ति जताई। उसने कहा कि दुकान में इस तरह की तस्वीरें रहने से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ हराम हो जाते हैं और मुस्लिम देश में इस तरह का व्यापार नहीं चल सकता।

जब कर्मचारी अनंत दास ने इसका विरोध किया तो मासूम मिया ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए धार्मिक आधार पर अपमानित किया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मासूम के पिता स्वपन मिया (55) और मां माजेदा खातून (45) भी मौके पर पहुंच गए और तीनों ने मिलकर कर्मचारी को पीटना शुरू कर दिया।स्थिति को शांत करने और अपने कर्मचारी को बचाने के लिए जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष आगे आए तो हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक चरण में हमलावरों ने बेलचे से लिटन घोष के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के तुरंत बाद लोगों ने तीनों हमलावरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद स्वपन मिया, माजेदा खातून और मासूम मिया शामिल हैं, जो कालीगंज उपजिला के बालीगांव इलाके के निवासी बताए गए हैं।इस निर्मम हत्याकांड से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी असुरक्षा और भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित था और लंबे समय से चले आ रहे सांप्रदायिक द्वेष का परिणाम है।कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद जाकिर हुसैन ने बताया कि घटना के बाद तीनों आरोपितों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मृतक के शव को बरामद कर मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

सांप्रदायिक मुद्दा उठाकर सार्वजनिक रूप से एक हिंदू व्यवसायी की हत्या की इस घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोलापुर में तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, पांच की मौत

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बीती रात एक तेज रफ्तार कार के पेड़ से टकरा गई, जिसमें 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई, उसका इलाज मोहोल ग्रामीण अस्पताल में हो रहा है।घटना की सूचना मिलते ही मोहोल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि पनवेल से 6 लोग कार से अक्कलकोट में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार पुणे-सोलापुर हाइवे पर मोहोल के पास देवडी पाटी इलाके में रात करीब एक बजे पहुंची तो कार चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस घटना में कार में ही पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई।रविवार को तडक़े इस घटना की जानकारी मिलने पर मोहोल पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और कार से पांच लोगों के शव निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना में ज्योति जयदास टकले नामक महिला घायल अवस्था में कार में फंसी थीं, उन्हें तत्काल मोहोल के रूरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है।इस घटना में मृतकों की पहचान माला रवि साल्वे (40) निवासी पंचशील नगर झुग्गी, अर्चना तुकाराम भंडारे (47), विशाल नरेंद्र भोसले (41), अमर पाटिल और आनंद माली के रुप में की गई है। इस घटना की छानबीन जारी है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा, पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के काफिले की एस्कॉर्ट गाड़ी भी टकराई

नूंह। नूंह जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। थाना पिंनगवा क्षेत्र के अंतर्गत गांव रिठठ के पास चैनल नंबर 41.100 पर हुए इस हादसे में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के काफिले की एक एस्कॉर्ट गाड़ी भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित हैं।दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही डीएलटी नंबर की एक कार एक्सप्रेसवे की लेन नंबर-1 में चल रही थी। अचानक कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर बीच सड़क में रुक गया। इसके चलते पीछे से आ रही एक वैगनआर उससे टकरा गई। इसी दौरान जयपुर की ओर जा रहे जगदीप धनखड़ के काफिले की पायलट गाड़ी ने मौके पर अचानक ब्रेक लगाए, जिससे काफिले में शामिल एस्कॉर्ट एर्टिगा वाहन भी दुर्घटना का शिकार हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ।

भारत जब तक धर्म के मार्ग पर चलता रहेगा, तब तक विश्वगुरु बना रहेगा: मोहन भागवत

» राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, तब तक देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से एक समृद्ध आध्यात्मिक विरासत मिली है, जो आज भी समाज और राष्ट्र को दिशा दे रही है।भागवत ने कहा कि धर्म केवल पूजा या धार्मिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे ब्रह्मांड को संचालित करने वाला मूल सिद्धांत है। प्रकृति में हर तत्व का अपना धर्म और अनुशासन है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पानी का धर्म बहना है, आग का धर्म जलाना है और इसी प्रकार हर व्यक्ति का भी अपना नैतिक कर्तव्य होता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के पास ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान है, जो दुनिया के अन्य हिस्सों में नहीं मिलता, क्योंकि वहां आध्यात्मिकता की कमी है। उन्होंने कहा कि धर्म सत्य पर आधारित है और जो लोग निरंतर सत्य के साथ जीवन जीते हैं, वही ऋषि कहलाते हैं। समाज का कर्तव्य है कि ऐसे आध्यात्मिक मार्गदर्शकों की सुरक्षा और गरिमा बनाए रखी जाए।भागवत ने सेवा कार्यों में लगे लोगों से अहंकार त्यागने की अपील करते हुए कहा कि 'मैं' की भावना से हटकर 'हम' की सोच अपनानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अच्छे कार्यों में बाधाएं डालने वाले लोग मिल सकते हैं।

पांच लाख श्रद्धालुओं ने लगाई सरयू में डुबकी, मौनी अमावस्या पर अयोध्या में उमड़ा आस्था का महासागर

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। मौनी अमावस्या पर अयोध्या में सुबह चार बजे से ही सरयू तट पर जयघोष गूंजने लगा। सरयू घाट से लेकर प्रमुख मठ-मंदिरों तक भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। इस अवसर पर करीब पांच लाख श्रद्धालुओं ने सरयू में आस्था की डुबकी लगाई।मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर रामनगरी में आस्था, श्रद्धा और संयम का अद्भुत संगम देखने को मिला। ब्रह्ममुहूर्त से ही सरयू तट पर पुण्य स्नान और दान का सिलसिला शुरू हो गया। जय श्रीराम के उद्घोष के बीच श्रद्धालु शीतल सरयू में आस्था की डुबकी लगाते नजर आए। घाटों से लेकर मठ-मंदिरों तक भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं, मानो पूरी अयोध्या धर्ममय हो उठी हो।आस्था के तापमान के आगे सिहरन भरी हवाएं और शीतलहरी नतमस्तक नजर आई। सुबह चार बजे से ही सरयू तट पर जयघोष गूंजने लगे। सरयू घाट से लेकर प्रमुख मठ-मंदिरों तक भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

श्रद्धालुओं ने विधिवत स्नान कर दान-पुण्य किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। साधु-संतों ने मौन व्रत रखकर ध्यान-साधना की, वहीं कई श्रद्धालु मौन रहकर पुण्य अर्जित करते नजर आए।

करोड़ों के गबन में सीबीआई ने दिल्ली... गाजियाबाद और कानपुर में मारा छापा, दस्तावेज जुटाए

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वन विभाग के नाम से बैंक ऑफ इंडिया की लखनऊ सदर शाखा में फर्जी खाता खोलकर करोड़ों के गबन के मामले में सीबीआई ने केस दर्ज कर लिया है। शनिवार को सीबीआई की टीमों ने आरोपियों के दिल्ली, गाजियाबाद और कानपुर के ठिकानों पर छापा मारा। वहां से तमाम अहम दस्तावेज जुटाए। सीबीआई ने लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में दर्ज एफआईआर के बारे में भी जानकारी जुटाई।

बैंक ऑफ इंडिया की आंतरिक जांच में सामने आया कि अनीस उर्फ मनीष व दीपक संजीव सुवर्णा ने मिलकर उत्तर प्रदेश वन निगम (यूपीएफसी) के नाम पर जाली दस्तावेजों के आधार पर एक फर्जी बचत बैंक खाता खुलवाया। खुद को यूपीएफसी का अधिकारी बताते हुए 18 दिसंबर 2025 को दीपक ने बैंक अफसरों से कहा था कि यूपीएफसी एक थोक फिक्स्ड डिपॉजिट नीलामी शुरू कर रहा है। उसको यूपीएफसी के नाम पर बैंक खाता खोलने और संचालित करने का अधिकार है। इससे संबंधित एक बोर्ड का फर्जी प्रमाण पत्र भी पेश किया था।दीपक ने यूपीएफसी के नाम से जाली केवाईसी दस्तावेज, पैन कार्ड, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र के आधार पर बैंक की सदर खाता में यूपी फॉरेस्ट कॉरपोरेशन के नाम से एक बचत खाता खुलवाया। एक जनवरी को यूपीएफसी ने बैंक के आधिकारिक खाते में 64,82,21,365 रुपये की राशि जमा की।

साथ ही प्रबंध निदेशक उप्र वन निगम के पक्ष में इस रकम की एक वर्ष की एफडीआर बनाने संबंधी आधिकारिक ई-मेल भी बैंक को मिला। दो जनवरी को दीपक संजीव ने बैंक को फर्जी पत्र सौंपा जिसमें 6,82,21,365 रुपये की एफडीआर जारी करने व 58 करोड़ रुपये अपने द्वारा खुलवाए गए यूपीएफसी के फर्जी बचत खाता में ट्रांसफर करने को कहा गया।इसी आधार पर रकम ट्रांसफर कर दी गई। बैंक ऑफ इंडिया की लखनऊ सदर शाखा के प्रबंधक शेर सिंह कुशवाहा की शिकायत पर सीबीआई ने केस दर्ज किया। सीबीआई ने तफ्तीश शुरू करते ही दीपक और मनीष के ठिकानों पर छापे मारे। सूत्रों के मताबिक तमाम अहम दस्तावेज जब्त किए हैं। अंदेशा है कि वह ये गिरोह की तरह काम करते हैं। इस तह की और भी गबन को अंजाम दे चुके हैं।जब यूपीएफसी को मामले की जानकारी हुई तो 13 जनवरी को प्रबंधक निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने बैंक की सदर शाखा के कर्मचारियों पर 64.82 करोड़ रुपये गबन करने का केस दर्ज कराया। बैंक अफसरों को जानकारी हुई तो जिस खाते में रकम ट्रांसफर हुई थी तो उसके बारे में जानकारी जुटाई। तब अनीस उर्फ मनीष व दीपक संजीव सुवर्णा का नाम सामने आया। पता चला कि ये दोनों बैंक के कर्मी नहीं हैं और न ही यूपीएफसी के। तब बैंक ने

छांगुर का साथी ईदुल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया, नागपुर से हुआ था गिरफ्तार

लखनऊ। धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के करीबी सहयोगी ईदुल इस्लाम को नागपुर से गिरफ्तार किया गया था। उसे धर्मांतरण के रैकेट की परतें खोलने के लिए कस्टडी रिमांड पर लिया गया है।धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के करीबी सहयोगी ईदुल इस्लाम को एटीएस ने रविवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एटीएस अब धर्मांतरण रैकेट की गहराई तक पहुंचने के लिए उसे कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।धर्मांतरण प्रकरण की जांच के दौरान ईदुल इस्लाम का नाम सामने आया था, जिसके बाद उसके खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई थी। छांगुर की गिरफ्तारी के बाद से ही एटीएस उसकी तलाश में जुटी थी। शनिवार को एटीएस की टीम ने ईदुल को नागपुर से गिरफ्तार किया और ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाया गया। रविवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया।

मुकदमा दर्ज होने पर संजय सिंह ने सरकार पर किया पलटवार, बोले- मुझे डराने की कोशिश मत करो

लखनऊ। मणिकर्णिका घाट पर दिए गए बयान को लेकर मुकदमा दर्ज होने पर संजय सिंह ने सरकार पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे डराने की कोशिश मत करो। आगे पढ़ें और जानें पूरी बात...

यूपी के वाराणसी के मणिकर्णिका घाट को तोड़े जाने पर दिए गए बयान पर आप सांसद संजय सिंह पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस पर संजय सिंह ने सरकार पर पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, मोदी के लोकसभा क्षेत्र में मणिकर्णिका घाट को तहस नहस किया गया। मंदिरों को तोड़ा गया। काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा भी तोड़ी गई।

उन्होंने आगे कहा कि, इसका विरोध काशी के साधुओं ने किया। अहिल्याबाई होलकर के परिवार ने किया। यहां तक कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी विरोध दर्ज कराया। लेकिन, एफआईआर मुझ पर कर दी गई। मंदिरों को तोड़ने वालों पर कारवाई करो। मुझे डराने की कोशिश मत करो।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502,
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय ....

महायुति की महासफलता

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है।

निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

काशी तमिल संगमम विविधता में भारत की एकता

नरेन्द्र मोदी

हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं पता चलता है कि कैसे हम एक- दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस क्षण का साक्षी बनने को देश के कोने-कोने से लोग सोमनाथ पहुंचे। यह इस बात का प्रमाण है कि भारतवर्ष के लोग जहां अपने इतिहास और संस्कृति से गहराई से जुड़े हैं, वहीं कभी हार न मानने वाला साहस भी उनके जीवन की बड़ी विशेषता है। यही भावना उन्हें एक साथ जोड़ती भी है। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र-तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी-तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। मैंने तय किया कि क्यों ना इस विषय पर अपने कुछ विचार साझा करूं।

'मन की बात' के एक एपिसोड में मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी-तमिल संगमम एक अनूठा प्रयास है। इसमें जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं पता चलता है कि कैसे हम एक- दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं।

काशी तमिल संगमम के आयोजन के लिए काशी सबसे उपयुक्त स्थान कहा जा सकता है। यह वही काशी है, जो अनादि काल से हमारी सभ्यता की धुरी बनी है। यहां हजारों वर्षों से लोग ज्ञान, जीवन के अर्थ और मोक्ष की खोज में आते रहे हैं। काशी का तमिल समाज और संस्कृति से गहरा नाता रहा है। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामिजि ने अपनी विद्वता और आध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था।तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी

संकल्पना को स्पष्ट दिशा मिली। कई उदाहरण हैं, जो काशी व तमिलनाडु के बीच गहरे आत्मीय संबंध दर्शाते हैं।वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी-तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ-साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया।इसका उद्देश्य था कि संगमम में समय-समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं व इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। प्रयास था कि ये आयोजन अपनी मूल भावना से जुड़े रहकर भी निरंतर आगे बढ़ता रहे। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। साथ ही शैक्षिक संवादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों और संवाद सत्रों में लोगों की बड़ी भागीदारी नजर आयी। हजारों लोग इनका हिस्सा बने।काशी-तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसंबर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी- तमिल करकलम? यानि तमिल सीखें...। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्यार्थियों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! इस बार कई और विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का चार भारतीय और छह विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया।तेनकासी से काशी तक पहुंची विशेष व्हीकल एक्सपेडिशन भी देखने को मिली। इसके अलावा काशी में स्वास्थ्य शिविरों और डिजिटल लिट्रेसी कैंप आयोजन के साथ ही कई और सराहनीय प्रयास किए गए। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बीएचयू में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।काशी-तमिल संगमम में इस बार जिस चीज ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्नता दी, वो हमारे युवा साथियों का उत्साह है। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए ये ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।संगमम के अलावा काशी की यात्रा भी यादगार बने, इसके लिए विशेष प्रयास किए गए। भारतीय रेल ने लोगों को तमिलनाडु से उत्तर प्रदेश ले जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाईं। इस दौरान कई रेलवे स्टेशनों पर, विशेषकर तमिलनाडु में उनका उत्साह बढ़ाया गया। सुंदर गीतों और आपसी चर्चाओं से ये सफर और आनंददायक बना। यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी-तमिल संगमम को विशेष बनाने में अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत -सत्कार में कोई कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को कोई दिक्कत ना हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए ये गर्व और संतोष का विषय है।

ईडी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री रेड वाली जगहों पर पहुंचीं अहम सबूत ले गई

पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश बनाने की साजिश

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्रियों की संलिप्तता की आशंका और हवाला के जरिए कोलकाता से आईपीएसी के गोवा ऑफिस पहुंचे थे 20 करोड़, जहां ममता बनर्जी के करीबी कहे जाने वाले प्रतीक जैन नें घुमाया है काला धन, ईडी द्वारा जब इसका सनसनीखेज दावा किया गया तो कूद पड़ी बेईमानी वो तो कट्टर वाली रानी थी, जी हाँ इकहत्तर वर्ष की आयु में ममता बनर्जी काला धन ईमानदारी से बचाने के लिए ईडी से भीड़ गई। ममता का इंटेंशन एक दम प्राकृतिक रूप से काले हैं ! जिस व्यक्ति में, विचारों की अशुद्धता हो, वह अपने देश के देशप्रेम और हिन्दुराष्ट्र की परिकल्पना से ओतप्रोत हो यह जरूरी नहीं। तो कहना यह कि बेईमान को मानसिक और भौतिक सौंदर्य की आवश्कता नहीं, ऐसे ही उभर कर सामने आता है।ममता जी के 15 वर्ष का राज्य पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश बनाने में महत्वपूर्ण रहा।

वहां व्यंग्यात्मक भाषा में कहें तो सनातनी हिंदुओं की प्रतिष्ठा और संख्या में असीम वृद्धि हुई है, पूरे प.बंगाल में मंन्दिरों का जाल सा बिछ गया है, हिन्दू स्त्रियों की इज़्ज़त और उनकी सुरक्षा का बेहद ध्यान रखा जाता है, प.बंगाल में अराजकता अब नामो निशान का नहीं। प.बंगाल की खूबसूरती यह भी है,देश भर घुसपैठियों की बहार हो,मगर प.बंगाल में कोई बंगलादेशी या रोहिंग्या शायद ढूढने पर ही मिले ! ममता बनर्जी सरकार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि केंद्र सरकार के साथ उनके रिश्ते सदैव उच्च स्तर के रहे हैं। कुल मिलाकर प. बंगाल एक आदर्श और सुखी राज्य है बस प्रवर्तन निदेशालय बनाम ममता बनर्जी का मैच अक्सर देखने को मिलता है जो गजब होता है। कभी सीबीआई से टक्कर तो कभी ईडी से सीधे फाइनल।

कलकत्ता हाई कोर्ट में बुधवार, 14 जनवरी को कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई - पीएसी से जुड़े ईडी के छापे मामले की सुनवाई हो रही है। इस मामले में केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी। पिछली तारीख यानी 9 जनवरी को अदालत में अफरा-तफरी और भीड़भाड़ के कारण सुनवाई नहीं हो पाई थी। उसके बाद जस्टिस शुभ्रा घोष ने आज की तारीख मुकर्रर की थी। सुनवाई के दौरान ईडी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आई पीएसी के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर हो रही छापेमारी के दरम्यान नाटकीय तौर पर एंट्री की थी और सरकारी काम में बाधा डाला। ईडी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रेड वाली जगहों पर गई और अहम सबूत ले गईं। दूसरी तरफ, ममता बनर्जी की तरफ से दावा किया गया कि ईडी के छापे अवैध थे और जांच एजेंसी ने सारी सीमएं लांघ दी थी।

इस दौरान तृणमूल कांग्रेस ने ईडी द्वारा जब्त किये गये चुनाव संबंधी उसके डाटा की सुरक्षा के लिए अदालत से अनुरोध किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कोर्ट को बताया कि एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की हैं। इसलिए हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई न करे। उन्होंने दलील दी, ÷यह मामला सुप्रीम कोर्ट में आ सकता है। लिहाजा, इस मामले की सुनवाई को टाल दिया जाय। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रतिक जैन की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म को कोर्ट में पेश होना चाहिए था। उन्होंने कहा, ÷पूरी याचिका चुनाव से जुड़े तर्कों पर आधारित है, न कि किसी अधिकार के उल्लंघन पर। किसी के घर से किसी का डेटा ज़ब्त किया गया है, उन्हें तो कोर्ट आना चाहिए था।

जानिए क्या है मामला ?

बता दें कि 8 जनवरी को कोलकाता में आईपीएसी के निदेशक प्रतीक जैन के ठिकानों पर हुई छापेमारी के दौरान, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ईडी के तलाशी अभियान स्थलों पर पहुंच गई थीं और आरोप लगाया कि निदेशालय के जांचकर्ता कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के संवेदनशील डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बनर्जी पर मौके से दस्तावेज हटाने का भी आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस और ईडी दोनों ने छापेमारी को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस ने एजेंसी को तलाशी अभियान के दौरान जब्त किए गए आंकड़ों के ÷पूर्वाग्रह, दुरुपयोग और प्रसार÷ से रोकने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की, जबकि ईडी ने अपनी जांच में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए आठ जनवरी की घटनाओं की जांच सीबीआई को सौंपने की प्रार्थना की थी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्यों नजर आ रहे हैं बदले-बदले से

बाल गोविन्द साहू

अमेरिका वर्ष 1990 में रूस के विघटन के पश्चात विश्व की एकमात्र शक्ति बनकर उभरा और उसने लगभग तीन दशकों तक दुनिया पर एक छत्र अपने नाम का सिक्का डालर चलाया किंतु वर्तमान समय में अमेरिका के समक्ष उसके डॉलर को चुनौती मिल रही है। जिससे अमेरिकी शक्ति चाहे वह भू राजनीतिक हो या आर्थिक हो उस पर प्रभाव पड़ना प्रारंभ हो चुका है। क्योंकि चुनाव पूर्व अमेरिकी राष्टपति ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन मागा का नारा दिया था और वह उसी के अनुसार कार्य करना चाहते हैं अर्थात अमेरिकी प्रभुत्व की स्थापना करना चाहते हैं। इसीलिए वह इतना आक्रमक है परंतु दूसरी ओर दुनिया डॉलर के प्रभाव से मुक्ति चाहती है।इसका प्रमुख कारण यह है कि यदि आप डॉलर में व्यापार करते हैं तो आपको अमेरिका की अनावश्यक शर्तों को भी मानना पड़ता है और नहीं मानते हैं तो आपको अमेरिका वैश्विक वित्तीय व्यवस्था से बाहर कर देता है और आपकी अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। वर्ष 1970 में अमेरिका के राष्टपति ने सऊदी अरब के किंग के साथ एक समझौता किया कि वह तेल का व्यापार अमेरिकी डॉलर में करेंगे। तब से अमेरिकी डॉलर का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित होना प्रारंभ हो गया। किंतु चीन का अमेरिका के साथ व्यापार जब अमेरिका के राष्टपति बराक ओबामा थे। तो चीन के पक्ष में हुआ तो चीन ने चीनी मुद्रा युवान में व्यापार करने की बात कही।

इसी प्रकार चीन ने अपने साझेदार देशों जिनसे चीन के अच्छे संबंध है उनसे उसने युवान में व्यापार करनेआग्रह किया। जिसमें वेनेजुएला भी शामिल था। रूस का जब यूक्रेन से युद्ध शुरू हुआ तो रूस पर अमेरिका ने व्यापारिक प्रतिबंध लगाया रूस ने अपनी मुद्रा रूबल में अपने साथियों से व्यापार करना प्रारंभ कर दिया। इस प्रकार भारत ने रुपए में व्यापार को प्राथमिकता दिया तथा रूस के साथ रुपए में तेल का आयात किया। यूएई के साथ रुपए में व्यापार का समझौता किया।

जिसने डॉलर के समक्ष चुनौती पेश की। डोनाल्ड ट्रंप को आशंका है कि ब्रिक्स देश अपनी अलग मुद्रा ला सकते हैं इसीलिए उन्होंने ब्रिक्स देशों पर अपनी मुद्रा लाने पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी है।डीडालराइजेशन से अमेरिका को सबसे बड़ा नुकसान उसकी आर्थिक शक्ति कमजोर होगी। जिससे उसकी सैन्य शक्ति कमजोर होगी।

सैन्य शक्ति कमजोर होने पर उसका भू राजनीतिक प्रभाव कम होगा और फिर अमेरिका सुपर पावर नहीं रह जाएगा। डी डॉलराइजेशन से विश्व के अनेक देशों को क्या फायदा होगा? तो सबसे बड़ा फायदा अमेरिका की दादागिरी से मुक्ति मिलेगी। नए शक्ति संतुलन स्थापित होंगे तथा बहू ध्रुवीय विश्व व्यवस्था स्थापित होगी और भारत जैसे देशों को फायदा होगा।

अनियंत्रित हुई बाइक, भतीजे की मौत और चाचा गंभीर घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। किदवई नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस घटना ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के पैचवर्क दावों की पोल खोल दी है।

कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र में बारादेवी से नौबस्ता जाते समय पुरानी फूल मंडी के पास गुरुवार देर रात ऊंची-नीची बेतरतीब बनी सड़क पर उछलकर तेज रफ्तार बाइक सवार भतीजा और पीछे बैठे चाचा सामने बनी सीमेंटेड पानी की टंकी से टकरा गए। हादसे में बिना हेलमेट युवक के सिर में चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मौके पर पहुंचे परिजनों ने को घायल चाचा को हैलट भिजवाया। वहीं, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेज दिया।

नौबस्ता के के ब्लॉक गोवर्धनपुरवा निवासी चंद्रशेखर हैलट में वार्ड बॉय हैं। उन्होंने बताया कि बेटा साहिल उर्फ गोरे (19) की नौबस्ता सीएनजी पेट्रोल पंप के सामने मैगी शॉप है। बताया कि गुरुवार रात करीब 11⁚30 बजे दुकान बंद करने के बाद साहिल धरीपुरवा निवासी मुंह बोले चाचा सिकंदर लाला के साथ परेड बिरयानी खाने के लिए गया था। रात 12⁚30 बजे के वह दोनों बाइक से बारादेवी चौराहे के पास पहुंचे थे। वहां से दूध खरीदने के बाद वह अपने घर जा रहे थे।

अभी वह दोनों पुरानी फूलमंडी के पास पहुंचे ही थे कि एक मीट शॉप के सामने सड़क पर बेतरतीब पैचवर्क में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी सीमेंटेड पानी की टंकी में टकरा गई। हेलमेट न लगाए होने के कारण साहिल के सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों का कहना था कि अगर हेलमेट लगा होता और सड़क ठीक होती, तो हादसा न हुआ होता। घटना के बाद बड़े भाई अंकित, मां राधिका, बहन आरती बिलख पड़े।

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों का किया गया निरीक्षण

» निर्धारित स्थानों पर ही बसों को खड़ा करने के निर्देश दिए गए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों का निरीक्षण किया गया।

जिसमें झकरकट्टी बस अड्डा, टाटमिल चौराहा, जरीब चौकी चौराहा, हैलट हॉस्पिटल मार्ग, गोल चौराहा आदि स्थानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान झकरकट्टी बस स्टैंड के बाहर अनाधिकृत रूप से सड़क पर खड़ी परिवहन निगम की कुल 38 बसों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही की गई तथा संबंधित बस चालकों एवं परिचालकों को सख्त चेतावनी देते हुए भविष्य में निर्धारित स्थानों पर ही बसों को खड़ा करने के निर्देश दिए गए।

प्रमुख चौराहों पर यातायात दबाव, वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग एवं जाम की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित को निर्देशित किया गया कि पीक आवर्स में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए,अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जाए। पुलिस उपायुक्त द्वारा अस्पताल मार्ग पर एम्बुलेंस एवं आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।

खसरा और रूबेला दोनों अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है सर्विलांस और रिपोर्टिंग में ढिलाई नहीं चलेगी: जिलाधिकारी

खसरा-रूबेला उन्मूलन पर प्रशासन सख्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। खसरा-रूबेला उन्मूलन को प्रभावी बनाने और विभागीय समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में खसरा-रूबेला उन्मूलन हेतु अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास सेवा, पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि खसरा और रूबेला दोनों अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग हैं और इनका उन्मूलन राष्ट्रीय लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सर्विलांस सिस्टम को हर स्तर पर मजबूत करना होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खसरा और रूबेला के प्रत्येक प्रकरण की रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से की जाए। निजी चिकित्सकों से भी अपील की गई कि वे अपने यहां सामने आने वाले खसरा-रूबेला के मामलों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा करें। साथ ही, आमजन के बीच इन बीमारियों और उनके दुष्परिणामों को लेकर व्यापक जन-जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि खसरे के प्रमुख लक्षण तेज बुखार, खांसी, जुकाम, आंखों में लाली और शरीर पर लाल चकत्ते हैं, जबकि रूबेला में हल्का बुखार और दाने होते हैं, लेकिन गर्भवती महिलाओं में यह रोग जन्मजात विकृतियों का गंभीर कारण बन सकता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन लक्षणों की जानकारी समुदाय स्तर तक पहुंचाई जाए, ताकि संदिग्ध मामलों की समय पर पहचान हो सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि एमआर टीका सुरक्षित और प्रभावी है तथा बच्चों को दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है। सामूहिक टीकाकरण से समुदाय में रोग के प्रसार की कड़ी टूटती है। 9 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

बाल विकास सेवा विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अपने-अपने केंद्रों के सत्र स्थलों की अद्यतन ड्यू लिस्ट तैयार की जाए और 9 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का रिकॉर्ड शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आशा और लिंक वर्कर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मोबिलाइजेशन कार्य में पूर्ण सहयोग देने तथा समुदाय में टीकाकरण के प्रति नियमित और प्रभावी संचार

गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए।

सैम और मैम श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उन्हें सत्र स्थल तक लाने में विशेष सहयोग देने को कहा गया। प्रत्येक सत्र स्थल पर इन्फैंटोमीटर और स्टैडियोमीटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे बच्चों की लंबाई और वजन का मापन सुचारु रूप से किया जा सके।

पंचायती राज संस्थाओं को पंचायत भवनों पर खसरा-रूबेला से संबंधित आईईसी सामग्री का प्रदर्शन करने और पंचायत मित्रों के ब्लॉकवार प्रशिक्षण की योजना तैयार कर समय से साझा करने के निर्देश दिए गए।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को प्रति माह धार्मिक नेताओं के साथ बैठक आयोजित कर स्वास्थ्य विषयों और नियमित टीकाकरण पर संवाद बढ़ाने को कहा गया। मदरसों में आयोजित टीकाकरण सत्रों में पूर्ण सहयोग, प्रत्येक सत्र स्थल पर नोडल शिक्षक की नामिती और बच्चों

के शत-प्रतिशत टीकाकरण को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जन-जागरूकता, समयबद्ध रिपोर्टिंग और मजबूत विभागीय समन्वय से ही खसरा-रूबेला उन्मूलन संभव है। इस दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरिदत्त, संबंधित अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा जे एस आई से हुदा जहरा समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित पशुओं की हड्डियाँ, खाल के अवशेष मिलने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ था प्रसारित

» संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) ने दी पत्रकारों को जानकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार ने पत्रकारों को बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में प्रतिबंधित पशुओं की हड्डियाँ, खाल एवं अवशेष दिखाई दिए, उक्त सूचना पर तत्काल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

घटनास्थल कस्बे से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर खेतों में, कब्रिस्तान से सटे दो इन्क्लोजर में स्थित पाया गया, जहाँ बड़ी मात्रा में पशु अवशेष मिले। मौके पर किसी ताज़ा या लाइव स्लॉटरिंग के प्रमाण नहीं पाए गए। पशु चिकित्सक द्वारा परीक्षण/पोस्टमार्टम कराया गया। एफआईआर में कुल दस नामजद अभियुक्त दर्शाए गए हैं, जिनमें से अब तक दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है। पूछताछ की कार्यवाही प्रचलित है।घटनास्थल थाना क्षेत्र से मात्र लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहाँ हल्का प्रभारी, बीट प्रभारी तथा एक पुलिस चौकी भी मौजूद है। इस दृष्टि से यह प्रकरण पुलिस कर्मचारियों एवं अधिकारियों की गंभीर लापरवाही

को दर्शाता है। उक्त लापरवाही के संबंध में थाना प्रभारी, हल्का प्रभारी, बीट प्रभारी तथा एक हेड कांस्टेबल के विरुद्ध (निलंबन/विभागीय) कार्रवाई की गई है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इस संबंध में पुलिस को पूर्व में कई बार फोन कर सूचना दी गई थी, किन्तु इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। घटना के दौरान कुछ अतिउत्साही युवकों द्वारा मौके पर खड़ी 3ङ्क4 गाड़ियों में तोड़फोड़ कर शीशे आदि क्षतिग्रस्त कर दिए गए, जिनमें से कुछ वाहन स्थानीय लोगों के बताए गए हैं। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है, मौके पर शांति व्यवस्था कायम है तथा वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में पुलिस बल द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है।

स्कूल, अस्पताल, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बस अड्डा व रेलवे स्टेशन आवारा कुत्तों से होंगे मुक्त: जिलाधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुपालन में जनपद के स्कूलों, अस्पतालों, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन परिसरों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट की मंशा के अनुरूप इन सभी सार्वजनिक व संवेदनशील परिसरों में स्ट्रीट डॉग्स की मौजूदगी पूरी तरह नियंत्रित की जाए और इसके लिए ठोस व सतत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक संबंधित संस्थान अपने स्तर पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करेगा। नोडल अधिकारी का दायित्व होगा कि वह नियमित निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित करे कि परिसर के भीतर आवारा कुत्ते प्रवेश न करें और यदि कहीं समस्या उत्पन्न होती है तो तत्काल नगर निगम से समन्वय कर समाधान कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह विषय केवल स्वच्छता या सुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन,

बच्चों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ है।

बैठक में नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी कि नगर निगम सीमा अंतर्गत वर्तमान में लगभग 1.36 लाख स्ट्रीट डॉग दर्ज हैं। इनमें से अब तक 84 हजार से अधिक आवारा कुत्तों का स्टरलाइजेशन कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि शेष स्ट्रीट डॉग्स के स्टरलाइजेशन की प्रक्रिया भी चरणबद्ध ढंग से जारी है, ताकि जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ आक्रामकता की समस्या को भी कम किया जा सके।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्टरलाइजेशन अभियान में पशु प्रेमियों को भी जोड़ा जाए और उन्हें प्रेरित किया जाए तथा संवेदनशील स्थानों की प्राथमिकता सूची तैयार कर वहां विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन, नगर निगम और संस्थानों के आपसी समन्वय से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। बैठक में एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कैलाश नाथ बालिका इंटर कॉलेज में लोक धुनों और तालों से सजा संस्कृति उत्सव-2026

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश पर्व 'हमारी संस्कृति-हमारी पहचान' के अंतर्गत कैलाश नाथ बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित संस्कृति उत्सव-2026 में लोक कला की जीवंत झलक देखने को मिली। जनपद के युवाओं ने लोक गायन, लोक वादन, लोक नृत्य और सुगम संगीत की प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच को ऊर्जा और रंगों से भर दिया। तहसील एवं जनपद स्तर की प्रतियोगिताओं में 14 से 25 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान लोकगीतों की लय पर सभागार तालियों से गूंज उठा। ढोलक, मंजीरा और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज के बीच लोक नृत्य की सधी हुई मुद्राओं ने

दर्शकों को लंबे समय तक बांधे रखा। प्रस्तुतियों में केवल कला कौशल ही नहीं, बल्कि लोक परंपरा से गहरा जुड़ाव भी साफ नजर आया।

प्रतियोगिता परिणामों में लोक गायन, लोक नृत्य और लोक वादन विधाओं में क्रमशः शाम्भवी वर्मा, खुशी कुमारी और वैभव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान पूर्णिमा, समृद्धि चौधरी और माही सागर को मिला, जबकि तृतीय स्थान सानिया फातिमा, अग्रिमा वर्मा और सनिया फातिमा ने अर्जित किया। विजेताओं की प्रस्तुतियों को दर्शकों की भरपूर सराहना मिली।

कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी शांतनु श्रीवास्तव, पर्यटन अधिकारी अर्जिता ओझा सहित विद्यालयों के अध्यापकगण और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापारी नेता व टीएसआई ने मिलकर बचाई खून से लथपथ एक बुजुर्ग की जान

मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुवे पहुँचाया समय से अस्पताल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश कल्याणकारी व्यापार मंडल के प्रदेश प्रभारी संदीप पाण्डेय इंदिरा नगर मोड़ के पास अपने निजी कार्य से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सड़क किनारे एक बुजुर्ग व्यक्ति को खून से लथपथ अवस्था में गिरा हुआ देख स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत इंदिरा नगर मोड़ पर तैनात टीएसआई मुनेन्द्र प्रताप सिंह को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही टीएसआई द्वारा तत्परता और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर एक ऑटो की व्यवस्था कर सिपाही के साथ मिलकर बुजुर्ग को सुरक्षित रूप से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां समय रहते इलाज मिलने से उनकी जान बच सकी।

अकारण विवेचनाओ को लम्बित रखने वाले विवेचको पर होगी सख्त कार्यवाही: पुलिस उपायुक्त पूर्वी

» निष्पक्ष ढंग से करें विवेचना व निर्धारित समय सीमा के भीतर करें निस्तारण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा पुलिस उपायुक्त पूर्वी कार्यालय पर थाना चकेरी के विवेचकों का अर्दली रूम किया गया जिसमें मामलों की प्रगति की समीक्षा की व निर्देश दिए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किए। अकारण विवेचनाओ को लम्बित रखने वाले विवेचको को सख्त हिदायत देते हुए निष्पक्ष ढंग से विवेचना करने व निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

अर्दली रूम के दौरान भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को विवेचना में समाहित करते हुए विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।

अपराधी किस्म/सांप्रदायिक तत्वों/माफिया लोगों के घरङ्कघर जाकर भौतिक सत्यापन करेंगे। आपराधिक प्रवृति के लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने के दिशा-निर्देश दिये।

मिशनशक्ति 5 के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम द्वारा बालक/बालिकाओं को दी गई हेल्पलाइन नंबर की जानकारी

कानपुर। एंटी रोमियो टीम थाना कल्याणपुर द्वारा MissionShakti5 के अंतर्गत नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन के विषय में बालक/बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076, 1098, 112, 181, 1930 आदि नंबरों की जानकारी दी गई तथा ऐप से प्राप्त होने वाली

जन सुविधाओं एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) एवं महिला सशक्तिकरण अभियान व राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उनके समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया।

जन समस्याओं को लेकर नगर अपर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिक्षक प्रकोष्ठ कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा कानपुर नगर की जन सुविधाएं जो कि नगर निगम कानपुर द्वारा प्रदत्त हैं के अभाव से संबंधित ज्ञापन अपर नगर आयुक्त नगर निगम कानपुर जगदीश यादव को सौंपा गया। ज्ञापन में कानपुर नगर की खस्ता हाल सड़के जिनके कारण गिरकर एवं दुर्घटना वश कई नागरिक काल के गाल में समा गए। इसके साथ ही शहर में प्रदूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण कानपुर नगर के समस्त क्षेत्र में नगर वासी अक्सर बीमार पड़ते रहते हैं।नाली एवं सीवर की समस्याओं से नगर वासी जूझ रहे हैं एवं नगर निगम द्वारा संचालित विद्यालयों की इमारतें जर्जर अवस्था में हैं। जिसके कारण शिक्षक एवं शिक्षार्थी अनेक समस्याओं से दो-चार हो रहे हैं। जन सुविधाएं इतनी खराब अवस्था में इससे पहले कभी नहीं थी। जनता समस्याओं से त्रस्त है जबकि महापौर व पार्षद झगड़े में व्यस्त हैं। ज्ञापन देने वालों में राजेश गौतम प्रादेशिक उपाध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ कांग्रेस डॉ0 महादेव जिला अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ कानपुर नगर, राजेश संखवार, ललिता शास्त्री, अर्चना गौतम आदि थे।

ढोल-नगाड़ों के बीच व्यापारियों ने दिखाई अभूतपूर्व एकजुटता

» अचल के नामांकन में उमड़ा व्यापारियों का जनसैलाब

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के दो हिस्सों–उत्तर और दक्षिण–में विभाजन के बाद हो रहे कानपुर दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल के चुनाव में रविवार को जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अचल गुप्ता, महामंत्री पवन तिवारी और कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने अपने समर्थकों के साथ भव्य जुलूस निकालते हुए नामांकन दाखिल किया। आगामी 18 जनवरी को मतदान होना है।

बारहदेवी स्थित बारहदेवी मंदिर परिसर से निकला यह जुलूस देखते-ही-देखते विशाल जनसैलाब में बदल गया। दक्षिण कानपुर के सैकड़ों व्यापारी ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और गगनभेदी नारों के साथ आगे बढ़ते रहे। पूरे मार्ग में जगह-जगह व्यापारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर प्रत्याशियों का जोरदार स्वागत किया। व्यापारियों की इस अभूतपूर्व एकजुटता से चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है।

जुलूस के दौरान पूरे क्षेत्र में व्यापार और व्यापारी हितों से जुड़े नारे गूंजते रहे व्यापारियों की एक आवाज मजबूत संगठन, मजबूत समाज !व्यापार बचेगा तो देश बढ़ेगा ! व्यापारी एकता ज़िंदाबाद !÷ सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान -यही व्यापारी की पहचान शोषण नहीं, समाधान चाहिए !एकजुट व्यापारी – सशक्त व्यापारऔर सबसे प्रमुख नारा रहा – व्यापारी एकता ज़िंदाबाद – सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और मजबूत व्यापार !जुलूस बारहदेवी चौराहा होते हुए भगत नामदेव गुरुद्वारा परिसर पहुंचा, जहां मुख्य चुनाव अधिकारी रामेश्वर गुप्ता एवं चुनाव अधिकारी प्रकाश पाण्डेय की मौजूदगी में तीनों प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अचल गुप्ता ने कहा कि व्यापारी हितों की रक्षा, व्यापार की सुरक्षा और संगठन की मजबूती के लिए वह हर संघर्ष के लिए तैयार हैं और व्यापारियों की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।जूलूस की एक खास बात यह रही कि इसमे बडी संख्या मे दक्षिण के भाजपाई शामिल रहे।चर्चा रही कि भाजपा का समर्थन भी परोक्ष रूप से इसी पैनल के प्रत्याशियों को रहेगा।इसी कारण चुनाव लगभग एकतरफा हो गया है।

इस भव्य जुलूस में प्रमुख रूप से प्रकाश वीर

आर्य, शम्मी मल्होत्रा, रोमी सिंह, विजय गुप्ता, डबली गुप्ता, अरुण कुमार बाजपेयी, बल्देवराज मल्होत्रा, वंदना गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। व्यापारियों की इस ऐतिहासिक एकजुटता ने साफ संकेत दे दिया है कि कानपुर दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल का यह चुनाव बेहद रोचक और निर्णायक होने जा रहा है।

कैंडल मार्च निकाल सोनू कश्यप उर्फ रोहित हत्या कान्ड की सीबीआईजॉच की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कश्यप निषाद आदिवासी कल्याण समिति समस्त सामाजिक कार्यकर्ता नेतृत्व में मोती झील कारगिल पार्क से कैंडल मार्च निकालकर विरोध किया।

गिरजा शंकर कश्यप ने बताया कि सोनू कश्यप उर्फ रोहित हत्या कान्ड की सीबीआई जॉच करायी जाये, पीड़ित परिवार मुआवजा रू0 50,00,000/- तथा पीड़ित परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग जिला मेरठ में थाना सरधना क्षेत्र के ग्राम ज्वालागढ़ में सोनू कश्यप उर्फ रोहित को बेरहमी से पीट-पीट कर मार डाला गया और फिर उसके शव को जला दिया गया। अपराधी बेखौब घूम रहे है। प्रशासन की पकड़ से बाहर है दोषियो को तुरन्त गिरफ्तार किया जाये।

मृतक सोनू कश्यप उर्फ रोहित के परिवार को मुआवजा रू0 50,00,000/- (पचास लाख रू0) दिया जाये तथा पीड़ित परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी अबिलम्ब प्रदान की जाये।

मुख्यमंत्री से पुनः आग्रह है कि सोनू कश्यप उर्फ रोहित हत्या कान्ड की सीबीआई जॉच करायी जाये जिससे समाज में व्याप्त भय/डर का माहौल समाप्त हो। अपराधियों की गिरफ?तारी कर कठोर से कठोर दण्ड दिया जाये।

ताकि अपराधियों को अपराध करने का साहस कभी भी पैदा न हो। राजेश गौड़ कश्यप,

गिरजा शंकर कश्यप, कमल जाटव, राजू कश्यप, नरेंद्र कुमार, सुरेश कश्यप, मुन्नालाल, सतीश वर्मा, दीपचंद, मुकेश कश्यप, सुरेश कश्यप आदि लोग रहे।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता गोष्ठी का किया गया आयोजन, 135 वाहनों के किये गये चालान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी, 2026 से 31 जनवरी, 2026 तक जीरो फैटेलिटी माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद कानपुर नगर के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा शिवराजपुर ब्लॉक में बी0डी0ओ0, ए0डी0ओ0/जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, समस्त ग्राम प्रधानों एवं ग्राम पंचायत सदस्यों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा विषयक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय चालक एवं पीछे बैठे व्यक्ति द्वारा अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा दोपहिया वाहन चालकों को छोड़कर अन्य सभी वाहन चालकों एवं उनमें बैठे यात्रियों/व्यक्तियों द्वारा सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने, रॉन्ग साइड एवं तेज गति से वाहन न चलाने हेतु जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सभी से सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई।

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा समय-समय पर प्रदत्त विभागीय निर्देशों एवं योजनाओं यथा–कैशलेस उपचार सुविधा, हिट एण्ड रन योजना,

सोलेशियम स्कीम एवं राहवीर योजना के संबंध में जानकारी दी गई तथा समस्त क्षेत्रवासियों को इनसे अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई एवं जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।

इसके साथ ही जनपद में राहुल श्रीवास्तव, आर0टी0ओ0 प्रवर्तन, कानपुर के नेतृत्व में प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग न करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग, ड्रंकन ड्राइविंग, अनधिकृत रूप से संचालित बसों एवं अन्य अभियोगों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए कुल 135 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई।

जिलाधिकारी एवं पुलिस उपायुक्त पश्चिम द्वारा मकनपुर मेला का किया गया शुभारंभ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त पश्चिम, एस. एम. क़ासिम आबिदी एवं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा थाना अरौल क्षेत्रान्तर्गत आयोजित होने वाले मकनपुर मेला का शुभारंभ किया गया।पुलिस उपायुक्त पश्चिम एवं जिलाधिकारी द्वारा मेला परिसर का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान मेला को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराए जाने हेतु उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।पुलिस उपायुक्त पश्चिम द्वारा निर्देशित किया गया कि मेला अवधि के दौरान पुलिस बल पूर्ण सतर्कता के साथ तैनात रहे एवं आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त बिल्हौर मौजूद रहे।

डीसीएम ने साइकिल सवार कक्षा तीन के छात्र को रौंदा, स्कूल से लौटते वक्त हुआ हादसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। छात्र बिठूर थानाक्षेत्र के कुरसौली गांव का रहने वाला था। स्कूल से लौटते वक्त हादसा हुआ। पुलिस लोडर की तलाश में जुटी है।बिठूर थाना क्षेत्र के कुरसौली टिकरा मार्ग पर शनिवार दोपहर करीब चार बजे तेज रफ्तार डीसीएम ने साइकिल सवार नौ साल के मासूम को रौंद दिया। हादसे के वक्त वह बड़ी बहन के संग स्कूल से घर लौट रहा था। भाई को आंखों के सामने हादसे का शिकार देख वह बदहवास हो गई।कुरसौली गांव निवासी सुधीर अवस्थी उर्फ दीनानाथ मेट्रो गार्ड हैं। वह रामलीला में परशुराम का अभिनय भी करते हैं। सुधीर का बेटा आदर्श उर्फ नमन (9) टिकरा स्थित निजी स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी के बाद आदर्श उसी स्कूल में पढ़ने वाली बड़ी बहन नम्रता के साथ लौट रहा था।

दोनों अलग-अलग साइकिल से थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुरसौली टिकरा मार्ग पर भाटिया गेस्ट हाउस के पास सामने से तेज रफ्तार डीसीएम को आता देख दोनों बच्चों साइकिल सड़क किनारे रोक कर खड़े हो गए। डीसीएम चालक ने लापरवाही से चलाते हुए आदर्श को टक्कर मार दी। वह पहिये के नीचे आ गया। चालक गाड़ी को भगाता चला गया। सिर पर पहिया चढ़ने से आदर्श की मौके पर ही मौत हो गई। डीसीएम टिकरा की ओर फर्राटा भरते हुए निकल गई।

मां विभा के अनुसार दोनों बच्चे पहले वैन से स्कूल जाते थे। पिता से जिद कर दोनों बच्चों ने सप्ताह भर पहले नई साइकिल खरीदी थी। पिछले दो दिनों से ही साइकिल से स्कूल जाना शुरू किया था। पिता सुधीर रो-रोकर कह रहे थे काश बच्चों की साइकिल खरीदने की जिद न पूरी करते तो बेटे को खोना नहीं पड़ता।

मकान के विवाद में किन्नरों के दो गुट भिड़े, थाने में लेटकर किया प्रदर्शन, वीडियो वायरल

» बीपीएस न्यूज

फतेहपुर । मकान के कब्जे को लेकर किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला थाने तक पहुंच गया। गाजीपुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर कस्बे के झिलमी मोहल्ले में स्थित एक मकान को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। एक गुट ने मकान को अपने गुरु की संपत्ति बताते हुए उस पर अधिकार जताया, जबकि दूसरे गुट ने पुलिस पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।विवाद के दौरान किन्नर थाने परिसर में जमीन पर लेट गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। हंगामे का वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो में किन्नरों को पुलिस के सामने रोते-बिलखते और न्याय की गुहार लगाते देखा जा सकता है।पीड़िता रवीना किन्नर का कहना है कि मकान उनके गुरु की विरासत है, जिस पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने से मजबूर होकर उन्हें प्रदर्शन करना पड़ा। वहीं, पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की तहरीर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कल्याणपुर में सड़कों पर छलक रहे जाम, डीसीपी के छापे में खुली पोल; अराजकता पर चौकी इंचार्जों की क्लास

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि शराब की दुकान में अवैध कैंटीन की रिपोर्ट आबकारी विभाग को भेजी जाएगी। थाना प्रभारियों को निर्देश हैं कि सड़कों पर शराब पीने वालों को तत्काल गिरफ्तार कर कार्रवाई करें।कानपुर के कल्याणपुर में शराब ठेके के बाहर जाम छलक रहे हैं। शुक्रवार को डीसीपी ने कुछ दुकानों का निरीक्षण किया। एक दुकान पर बाहर शराब पीते कई लोग मिले। जबकि एक में अवैध कैंटीन चलती मिली। डीसीपी ने दुकान के कर्मचारियों और संबंधित चौकी इंचार्जों को भी फटकार लगाई। उन्होंने अनियमितता की रिपोर्ट आबकारी विभाग को भेजने के निर्देश दिए।

डीसीपी पश्चिम कासिम आबिदी सबसे पहले टीम के साथ पनकी रोड चुंगी चौराहे पर पहुंचे। वहां देशी और अंग्रेजी शराब ठेकों के बाहर सड़क किनारे ही लोग जाम छलकाते मिले। अराजकता देख डीसीपी का पारा चढ़ गया। उन्होंने पनकी रोड चौकी प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने मौके पर मौजूद शराबियों के वाहन के चालान कटवाए और भविष्य में सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।चौकी प्रभारी के खिलाफ होगी विभागीय कार्रवाईइसके बाद बारासिरोही स्थित शराब ठेके पर पहुंचे। यहां लोग बाहर शराब पीते मिले।

उनके लिए अस्थाई रूप से इंतजाम किया गया था। निरीक्षण के दौरान शराब ठेके के भीतर अवैध रूप से कैंटीन संचालित होती मिली। डीसीपी ने थाना प्रभारी और एसीपी को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट तैयार कर आबकारी विभाग को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर दोबारा कैंटीन चलती मिली, तो संबंधित चौकी प्रभारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव

जनता ने विकास और जनकल्याण की नीति को सराहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत पर जनता को दिया धन्यवाद

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन (एनडीए) की जीत के लिए राज्य की जनता को धन्यवाद दिया।उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा धन्यवाद महाराष्ट्र! राज्य के गतिशील लोगों ने एनडीए के जनहित और अच्छे शासन के एजेंडे को आशीर्वाद दिया। विभिन्न नगर निगम चुनावों के परिणाम दर्शाते हैं कि महाराष्ट्र की जनता के साथ एनडीए का संबंध और गहरा हुआ है। हमारा विकास रिकॉर्ड और विज़न लोगों के दिलों को छू गया। महाराष्ट्र की जनता का धन्यवाद। यह वोट प्रगति को गति देने और राज्य की गौरवशाली संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए है।

अमित शाह ने भी दी बधाई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की शानदार जीत पर ट्वीट कर अपनी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह जीत दर्शाती है कि देश के हर कोने की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली ह्ष्ठ की विकासनीति पर भरोसा रखती है। शाह ने इस ऐतिहासिक सफलता को महायुति सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और जनकल्याण के कार्यों पर जनता की मुहर बताया। उन्होंने महाराष्ट्र की जनता का हार्दिक आभार जताया। अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और भाजपा-शिवसेना के सभी कार्यकर्ताओं को इस बड़ी जीत की बधाई दी।

प्रचंड जीत पर जगत प्रकाश नड्डा ने दी बधाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा और शिवसेना की शानदार जीत पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और डबल इंजन सरकार की विकास और जनकल्याण योजनाओं पर जनता के भरोसे का परिणाम है। नड्डा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित सतम और सभी कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साथ ही मतदाताओं का भी आभार जताया, जिन्होंने जनता के हित में अपना समर्थन दिखाया।

बदायूं बवाल

गैर समुदाय के लोगों की शिकायत पर रोकी गई प्रभात फेरी

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, कई घायल

» बीपीएस न्यूज

बदायूं। यूपी के बदायूं जिले के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ब्योर कासिमाबाद में शुक्रवार की भोर माघ माह में निकाली जा रही प्रभात फेरी को पुलिस ने विवादित रास्ता बताते हुए रोक दिया। जबकि यह प्रभात फेरी पिछले 50 वर्षों से इसी रास्ते से निकलते आ रही है। बात इतनी बढ़ गई कि हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आरोप है कि लाठीचार्ज में कई ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। कल दूसरे समुदाय के लोगों ने प्रभात फेरी को रोकने का प्रयास किया था और पुलिस से मामले की शिकायत की थी। दूसरे समुदाय के लोगों की शिकायत के बाद शुक्रवार सुबह पांच बजे इस्लामनगर थाने की पुलिस गांव ब्योर पहुंची। इस बीच लोग प्रभात फेरी निकालने पर अड़ गए। लोगों के गुस्से को देखकर बिल्सी, उघैती पुलिस को भी मौके पर बुला लिया गया। पीएसी बटालियन भी बुला ली गई।

देखते ही देखते एसडीएम बिसौली राशि कृष्णा, सीओ बिल्सी मौके पर पहुंच गए। करीब आठ बजे पुलिस ने भक्तों पर लाठी चार्ज कर दिया। जिसके बाद भगदड़ मच गई। पुलिस के लाठीचार्ज से महिलाएं व युवक घायल हो गए।

सूचना पर पहुंचे एसपी देहात ह्रदेश कठेरिया ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने प्रभात फेरी रोकने वाले पुलिसकर्मियों व अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। काफी गहमा-गहमी के बाद पुलिस बैकफुट पर आ गई और प्रभात फेरी को अपने सामने ही निकलवा दिया। प्रभात फेरी निकालने के बाद भी घायल महिलाओं व युवकों के परिजन कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।सपा सरकार के समय एक समुदाय की आपत्ति पर बदल दिया गया था प्रभात फेरी का मार्ग

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में कई वर्षों से प्रभात फेरी निकाली जाती रही है। लगभग दस वर्ष पूर्व सपा सरकार के समय एक समुदाय विशेष की आपत्ति के बाद प्रभात फेरी का मार्ग बदल दिया गया था। इस बार ग्रामीणों ने प्रभात फेरी पुराने मार्ग से निकालनी शुरू कर दी। इसी को लेकर समुदाय विशेष के लोगों ने थाना पुलिस को फोन कर आपत्ति दर्ज कराई।

यह बोले एसपी देहात

एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि प्रभात फेरी का लोग विरोध कर रहे थे। इसी को लेकर प्रभात फेरी को रोका गया था, लेकिन बाद में पता चला कि प्रभात फेरी कई वर्षों से इसी रास्ते से निकलती आ रही है तो मौके पर पहुंचकर प्रभात फेरी को निकलवाया गया है। ग्रामीणों को समझा दिया गया है। प्रभात फेरी पर अब कोई रोक नहीं रहेगी।

कल भी प्रभात फेरी को निकाले जाने को लेकर स्थिति हो गई थी तनावपूर्ण

ग्राम ब्योर कासिमाबाद में प्रभात फेरी के मार्ग को लेकर बीते गुरुवार की भोर के समय भी स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। समुदाय विशेष द्वारा पुराने मार्ग से प्रभात फेरी निकाले जाने पर आपत्ति जताए जाने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला था और प्रभात फेरी को दूसरे मार्ग से निकलवाया था।

हिंदू संगठनों ने थाने का किया घेराव, हनुमान चालीसा का पाठ किया

बदायूं। बदायूं के इस्लामनगर में प्रभात फेरी रोके जाने से नाराज बजरंग दल समेत हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर धरना दिया। पुलिस पर रास्ता विवादित बताने व लाठीचार्ज का आरोप लगाते हुए हनुमान चालीसा पाठ किया।

बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्योर कासिमाबाद में पुलिस ने शुक्रवार की सुबह प्रभात फेरी को रोक दिया था। इस सूचना पर दोपहर करीब एक बजे बजरंग दल समेत कई हिंदू संगठन गांव पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इसी के साथ थाने का घेराव करते हुए धरने पर बैठ गए।संगठन के पदाधिकारी ने हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है। उनकी मांग है कि पुलिस ने जान बूझकर रास्ते को विवादित बता दिया था। जबकि ग्रामीणों का कहना है कि सपा सरकार में साल 2012 में मात्र दो साल रास्ता खराब होने की वजह से इस रूट से प्रभात फेरी नहीं निकाली जा सकी थी।रास्ता ठीक होने के बाद पुराने रास्ते पर ही प्रभात फेरी निकल जा रही थी। अब पुलिस अपने ही जाल में फंसी हुई नजर आ रही है। ग्रामीणों ने थानाध्यक्ष नरेश कुमार सिंह व सीओ संजीव कुमार पर महिलाओं पर लाठी चार्ज करने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि दूसरे समुदाय के लोगों के इशारे पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया है।

मुझे जेल भेजने के बारे में सोच रहे हैं, लोगों के लिए मरने को भी तैयार हूं: ममता

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि उन्हें जेल में डालने की धमकी दी जा रही है, लेकिन वह डरने वाली नहीं हैं। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के कार्य में बाधा देने का दावा कर मुझे जेल में डालने की धमकी दी जा रही है लेकिन मैं डरती नहीं हूं। जरूरत पड़ी तो जनता के लिए जान देने को तैयार हूं।पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में शुक्रवार को हालात तनावपूर्ण रहे। एक ओर झारखंड में एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल लाइन को जाम किया गया, वहीं दूसरी ओर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर कथित उत्पीड़न के खिलाफ पूर्व बर्दवान जिले के समुद्रगढ़ स्टेशन पर रेल अवरोध शुरू हो गया। इन घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हिंसा और अशांति के पीछे केंद्रीय एजेंसियों का समर्थन है।दो दिवसीय उत्तर बंगाल दौरे पर रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय में जो गुस्सा है, वह

स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तोड़फोड़ और हिंसा किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि कुछ योजनाबद्ध कोशिशों के तहत राज्य में अशांति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है।बेलडांगा में स्थानीय लोगों की ओर से हुई हिंसा और आगजनी की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी तरह से एक साजिश है और इसका मकसद हिंसा फैलाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी मजदूरों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस तरह की घटनाओं की जांच की है और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। ममता ने लोगों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की।एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि इसके नाम पर अल्पसंख्यकों के साथ-साथ आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समुदाय के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि रोजाना संदेश माध्यमों के जरिए नए-नए नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) भारी दबाव में आ गए हैं। ममता बनर्जी का दावा है कि यह पूरी प्रक्रिया योजनाबद्ध तरीके से केवल पश्चिम बंगाल में ही लागू की जा रही है, ताकि भ्रम और असंतोष फैलाया जा सके।राजनीतिक रणनीतिकार संस्था आई-पैक के कार्यालय में हुई तलाशी के मामले को लेकर भी मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। इस संबंध में मामला न्यायालय में विचाराधीन है और अगली सुनवाई तीन फरवरी को तय है। इस पर सवाल पूछे जाने पर ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ लोग यह कहते फिर रहे हैं कि मुझे वर्षों तक जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह लोगों के लिए जरूरत पड़ी तो अपना जीवन देने को भी तैयार हैं और इस तरह की धमकियों से डरने वाली नहीं हैं।

पशुपालन विभाग का बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटीकरप्शन (विजिलेंस) टीम ने पशुपालन विभाग के एक बाबू को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजिलेंस मेरठ की टीम ने विकास भवन बागपत में तैनात बाबू अश्वनी कुमार को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। मामला बरनावा गांव निवासी बकरी पालक सतीश वाल्मीकि से जुड़ा है। पीड़ित ने पशुपालन विभाग की बकरी पालन योजना के तहत 49 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त किया था। अनुदान मिलने के बाद उसने पूरी राशि से बकरियां खरीद लीं, लेकिन इसके बावजूद विभाग में तैनात बाबू अश्वनी कुमार द्वारा उससे रिश्वत की मांग की जाने लगी।

पीड़ित के अनुसार, शुरुआत में बाबू ने 15 हजार रुपये की मांग की, बाद में रकम घटाकर 12 हजार रुपये कर दी गई। लगातार दबाव बनाए जाने के बाद अंततः 5 हजार रुपये में सौदा तय हुआ।

लाल किला ब्लास्ट केस : ईडी ने कुर्क की अल फलाह विश्वविद्यालय की संपत्तियां

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय की लगभग 140 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां शुक्रवार को कुर्क कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके ट्रस्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। अल फलाह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजधानी में पिछले साल 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार बम विस्फोट के बाद केंद्रीय एजेंसियों की जांच के घेरे में है।

उन्होंने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी एक अंतरिम आदेश के तहत फरीदाबाद के धौज क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय की 54 एकड़ भूमि, विश्वविद्यालय की इमारतों, विभिन्न स्कूलों और विभागों से संबंधित इमारतों और छात्रावासों को कुर्क कर लिया गया है। ने इस सप्ताह की शुरुआत में सबसे पहले यह खबर दी थी कि ईडी अल फलाह

ट्रस्ट के स्वामित्व वाली इन संपत्तियों को अपराध से अर्जित आय के रूप में वर्गीकृत करते हुए इन्हें कुर्क करने जा रही है।सिद्दीकी को नवंबर में ईडी ने उनके ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों के छात्रों के साथ धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के आरोपों में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने दावा किया कि शिक्षण संस्थानों के पास शिक्षण के लिए आवश्यक वैध मान्यता नहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि पीएमएलए की विशेष अदालत में सिद्दीकी और अल फलाह ट्रस्ट के खिलाफ भी आरोप-पत्र दायर किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों को आरोपी बनाकर अदालत में पेश किया गया है और ईडी ने धनशोधन रोधी कानून के तहत उन पर मुकदमा चलाने का अनुरोध किया है। अपराध से अर्जित धन संपत्तियों को नष्ट होने, बेचे जाने या लेन-देन में इस्तेमाल होने से रोकने के लिए पीएमएलए के तहत कुर्की की जाती है। अधिकारियों ने बताया था कि अस्थायी कुर्की की कार्यवाही पूरी होने के बाद सरकार की ओर से नियुक्त रिसीवर को अल फलाह विश्वविद्यालय परिसर का प्रशासन सौंपा जा सकता है, जिससे आपराधिक कार्रवाई और अभियोग जारी रहने के बावजूद छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।ईडी ने नवंबर 2025 में अदालत से सिद्दीकी की रिमांड का अनुरोध करते हुए कहा था कि विश्वविद्यालय और उसके संचालक ट्रस्ट ने सिद्दीकी के निर्देश पर मान्यता प्राप्त होने का झूठे दावा किया, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र दाखिला लें और इस तरह उसने छात्रों तथा उनके अभिभावकों से ÷बेईमानी÷ से कम से कम 415.10 करोड़ रुपये की ÷अपराध की आय÷ अर्जित की। अल फलाह विश्वविद्यालय उस सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के खिलाफ जांच के दौरान सुर्खियों में आया है,। जिसके सिलसिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तीन चिकित्सकों सहित कम से कम 10 लोगों को गिरफ्तार किया है।

दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून को पांच साल की जेल की सजा सुनायी

» बीपीएस न्यूज

दक्षिण कोरिया । की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को 'मार्शल लॉ' लागू करने से जुड़े कुछ आरोपों में पांच साल की जेल की सजा सुनाई। यह फैसला यून के खिलाफ दिसंबर 2024 में जारी किए गए मार्शल लॉ आदेश और अन्य आरोपों को लेकर चल रहे आठ आपराधिक मुकदमों में पहला है। उन पर लगे सबसे गंभीर आरोपों में यह शामिल है कि उन्होंने मार्शल लॉ लागू करने के सिलसिले में विद्रोह का नेतृत्व किया। इस आरोप में मृत्युदंड तक का प्रावधान है।'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने शुक्रवार को इस मामले में फैसला सुनाते हुए यून को अन्य आरोपों जैसे अधिकारियों द्वारा उन्हें हिरासत में लेने के प्रयासों की अवहेलना करने के लिए दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। यून ने इस फैसले पर तुरंत कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी।हालांकि, इससे पहले जब एक स्वतंत्र वकील ने इन आरोपों में यून के लिए 10 साल की जेल की सजा की मांग की थी,

तब उनके बचाव पक्ष ने इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए कहा थादिसंबर 2024 में मार्शल लॉ को अल्पकालिक लागू किए जाने के बाद व्यापक जन-प्रदर्शन हुए थे, जिनमें यून को पद से हटाए जाने की मांग की गई थी। इसके बाद यून को महाभियोग का सामना करना पड़ा, उन्हें गिरफ्तार किया गया और राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया।यून का कहना है कि उनका देश पर लंबे समय तक सैन्य शासन लागू करने का कोई इरादा नहीं था।

गया जी में रहस्यमयी आग से डर का माहौल, बार-बार धधक रहा घर, सड़क किनारे रातें काट रहा परिवार

» बीपीएस न्यूज

गया। गया जी जिले के कुशा गांव में लखन मिस्त्री के घर में रहस्यमयी आग लगने से परिवार सड़क किनारे रहने को मजबूर। आग बिना कारण और बिजली के कनेक्शन के लग रही है। परिवार ने एक बुजुर्ग पर आग लगाने की धमकी का संदेह जताया।

गयाजी जिले के शेरघाटी प्रखंड अंतर्गत कुशा गांव में बीते एक सप्ताह से रहस्यमयी आग लगने की घटनाओं ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। लखन मिस्त्री के घर में रखे घरेलू सामान जैसे कंबल, बिछावन, कपड़े, खटिया और अनाज बार-बार आग की चपेट में आ रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि आग उन स्थानों पर भी लग रही है, जहां न तो बिजली का कनेक्शन है और न ही कोई स्पष्ट कारण दिखाई दे रहा है।

लगातार घटनाओं से भयभीत होकर लखन मिस्त्री का पूरा 12 सदस्यीय परिवार जिसमें महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे शामिल हैं घर छोड़कर सड़क किनारे रह रहा है।

पीड़ित परिवार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को एक भूखा बुजुर्ग उनके घर भोजन मांगने आया था। बहु सुलेखा देवी ने उसे पका हुआ चावल और पानी दिया, लेकिन रोटी नहीं मिलने पर वह नाराज होकर आग लगाने की धमकी देकर चला गया। परिवार का दावा है कि इसी के बाद से घर में रहस्यमयी आग लगने लगी। गांव में घटना को लेकर भय और कौतूहल का माहौल है। कुछ लोग इसे तंत्र-मंत्र या ओझा-गुनी से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे साजिश की आशंका भी मान रहे हैं।पूर्व कचौड़ी पंचायत मुखिया संतोष कुमार गुप्ता ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और प्रशासन से तत्काल भोजन, पेयजल और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की आवश्यकता भी जताई है। फिलहाल परिवार सड़क किनारे ठंड में रातें काटने को मजबूर है और सबकी निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

वकीलों ने किया एसपी कार्यालय का घेराव, अशांत टोल प्लाजा विवाद पर माहौल गर्म

हैदरगढ़। प्रयागराज उच्च न्यायालय के अधिवक्ता की पिटाई का मामला शुक्रवार को भी गर्म रहा। जिला मुख्यालय पर वकीलों ने एसपी कार्यालय का घेराव किया तो एसपी ने बाहर आकर कड़ी कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। उधर बारा टोल प्लाजा विरोध प्रदर्शन का केन्द्र बना रहा। पूरे दिन भारी संख्या में पुलिस फोर्स की मौजूदगी में वहां मौजूद वकीलों के अलावा आ जा रहे अधिवक्ता नारेबाजी, बयानबाजी के साथ ही मांगें दोहराते रहे।36 घंटे बाद भी टोल प्लाजा खुला रहा और हजारों की संख्या में वाहन बिना टोल दिए गुजरते रहे। हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र में बारा टोल प्लाजा पर वकील की पिटाई के मामले को लेकर शुक्रवार को लखनऊ के अधिवक्ता देवकी नंदन पांडेय, अनिल मिश्रा आदि अधिवक्ताओं ने एसपी कार्यालय घेर लिया।नारेबाजी के बीच एसपी अर्पित विजयवर्गीय बाहर निकले और अधिवक्ताओं से कहा कि पुलिस महकमा उनके साथ हैं, टोल मैनेजर और कर्मचारियों पर हत्या के प्रयास की धारा में कार्रवाई की जाएगी। वकीलों की मांग कि गैंगस्टर के साथ एनएसए की कार्रवाई हो। पर एसपी ने आश्वासन दिया है। इसके बाद वकील यहां से चले गए।देर शाम पिटाई का शिकार हुए वकील रत्नेश शुक्ल को टोलकर्मी रवि तोमर के पिता की ओर से मोबाइल पर धमकी दिए जाने की खबर फैली तो टोल प्लाजा पर एकत्र वकीलों ने आक्रोश जाहिर करते हुए नारेबाजी शुरु कर दी।

बांके बिहारी मंदिर का पंडा बता लड़कियों से दोस्ती, अश्लील वीडियो बना मांगे लाखों!

मथुरा। वृंदावन से एक बेहद चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भक्तों को दर्शन कराने और सेवा कार्य का दावा करने वाले एक युवक (प्रिंस ठाकुर) पर कई लड़कियों और महिलाओं के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है।युवक पर आरोप है कि उसने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय युवतियों से दोस्ती कर उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाया और बाद में उनके निजी पलों के वीडियो बनाकर उन्हें सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दिया।मंगलवार को एक पीड़िता ने पुलिस के सामने पहुंचकर युवक पर शादी का झांसा देकर शोषण करने और वीडियो वायरल करने के मामले में तहरीर दी। पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर पुलिस के सामने इस काले खेल का पर्दाफाश किया। पीड़िता के अनुसार, करीब एक साल पहले बांके बिहारी मंदिर में उसकी मुलाकात केसी घाट निवासी प्रिंस ठाकुर से हुई थी। प्रिंस ने उसे शादी का झांसा दिया और विश्वास में लेकर मथुरा के एक होटल में ले गया, जहां उसने उसके साथ अश्लील वीडियो बना लिए। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने दोबारा मिलने से इनकार किया, तो आरोपी ने उन वीडियो को इंटरनेट पर वायरल कर दिया। पीड़िता ने बताया कि घटना के समय वह नाबालिग थी, इससे यह क्कह्रष्टस्ह्र का मामला भी हो सकता है।इस मामले में सबसे भयावह पहलू यह है कि आरोपी ने केवल एक नहीं, बल्कि करीब 7-8 अन्य युवतियों को भी अपने जाल में फंसाकर अश्लील वीडियो बनाए हैं।

कुछ लोग इन बेटियों की मजबूरी और बदनामी का फायदा उठाकर अवैध कमाई कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद से कई अन्य पीड़ित परिवार सदमे में हैं और बदनामी के डर से कुछ लोगों ने घर तक छोड़ दिए हैं। समाजसेविका के अनुसार, इन वीडियो को स्थानीय स्तर पर 500-500 रुपये में बेचा जा रहा है।

टीवी सीरियल 'रंगबाज़ी दिलों की' को लेकर अभिनेत्री सुनीता पांडेय सुर्खियों में

दंगल चैनल पर प्रसारित हो रहे टीवी सीरियल 'रंगबाज़ी दिलों की' को लेकर अभिनेत्री सुनीता पांडेय इन दिनों सुर्खियों में हैं। बॉलीवुड में चारों तरफ उनकी चर्चा हो रही है। 'रंगबाज़ी दिलों की' में सुनीता एक नेगेटिव किरदार में हैं, जिसे उन्होंने अपने सशक्त अभिनय से बेहद प्रभावशाली बना दिया है। सुनीता पांडेय ने अपने अभिनय सफर की शुरुआत स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'राजा की आएगी बारात' से की थी। इसके बाद उन्होंने बैक-टू-बैक आठ टीवी सीरियल्स में काम किया और अपनी अलग पहचान बनाई।ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी सुनीता की मजबूत मौजूदगी देखने को मिल चुकी है।

हिंदी फिल्म 'कुन फाया कुन' में उन्होंने अभिनेता हर्षवर्धन राणे के साथ स्क्रीन शेयर की है, वहीं नेटफ्लिक्स पर भी वह जल्द अपने अभिनय का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। सुनीता पांडेय सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक मल्टी-टैलेंटेड और क्विक लर्नर भी हैं। वह कथक में प्रशिक्षित डांसर हैं और अभिनय के साथ-साथ मॉडल, क्रिएटिव डायरेक्टर और प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं। उनकी अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'सुरमा एंटरटेनमेंट' है, जिसके तहत बने कई क्राइम शोज़ शेमारू और अतरंगी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो चुके हैं।

बनारस की मूल निवासी अभिनेत्री सुनीता पांडेय शिक्षा दीक्षा मुंबई में हुई है। शुरुआती दौर में सुनीता का सपना एयर होस्टेस बनने का था, लेकिन किस्मत उन्हें अभिनय की दुनिया में ले आई। डांस से मॉडलिंग और फिर टीवी शोज़ तक का सफर तय करते हुए उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। साउथ की फिल्मों में काम करने के क्रम में निर्देशक वेंकटेश्वर श्रीराम से काफी कुछ सीखने को मिला और भविष्य में मौका मिला।

सुनीता पांडेय जल्द ही बतौर मुख्य अभिनेत्री अपनी नई तमिल फिल्म के जरिए भी दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली हैं।

यह फिल्म सस्पेंस, हॉरर, ड्रामा और लव स्टोरी का अनोखा संगम है, जिसमें सुनीता का देसी से लेकर ग्लैमरस और हॉट अवतार देखने को मिलेगा। यह उनकी आठवीं दक्षिण भारतीय फिल्म है। इससे पहले वह 'के.एस. 100', 'ओक्कड़े 1', 'कॉरपोरेट', 'लूनी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

साउथ स्टार नानी स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज' का पोस्टर हुआ जारी

एस एल वी सिनेमाज के बैनर तले निर्मित साउथ स्टार नानी स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज' का पोस्टर मेकर्स द्वारा जारी करते हुए, इस फिल्म की रिलीज़ डेट का ऐलान भी कर दिया है। 26 मार्च को बड़े पैमाने पर यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेज़ी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म की ग्लोबल सोच के तहत, खबर है कि मेकर्स ने हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 'द पैराडाइज़' को प्रेज़ेंट करने के लिए बातचीत की है। दमदार निर्देशक, मजबूत स्टारकास्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्लानिंग के साथ 'द पैराडाइज़' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सांस्कृतिक अनुभव की ओर बढ़ता कदम नजर आ रहा है।

दमदार निर्देशक, मजबूत स्टारकास्ट और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्लानिंग के साथ 'द पैराडाइज़' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े सांस्कृतिक अनुभव की ओर बढ़ता कदम नजर आ रहा है। इस फिल्म का ओरिजिनल म्यूज़िक अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है, जिसमें अनिरुद्ध और अर्जुन चांडी की आवाज़ें शामिल हैं। यह साउंडट्रैक शुरू से ही दर्शकों को रहस्यमय कहानी की दुनिया में ले जाता है और हर पल के असर को और बढ़ा देता है। उम्मीद की जा रही है कि म्यूज़िक, फिल्म के माहौल को काफी मजबूती प्रदान करेगा और पूरे सिनेमाई अनुभव को बेहद खास बना देने में कामयाब साबित होगा। फिल्म 'दसारा' की ज़बरदस्त कामयाबी के बाद निर्देशक श्रीकांत ओडेला और नेचुरल स्टार नानी एक बार फिर साथ आ रहे हैं फिल्म 'द पैराडाइज़' के साथ, जो इस वक्त देश की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जा रही फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म को लेकर सिनेदर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

क्या आप भी रूखी और बेजान स्किन से हैं परेशान?

जरूर अपनाएं एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका, आप की स्किन लगेगी दमकने, आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा और कम नमी की वजह से स्किन अक्सर रूखी और बेजान नजर आने लगती है। खासकर चेहरे की स्किन में खिंचाव आने लगता है और नेचुरल ग्लो कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप नेचुरल और असरदार स्किन केयर उपाय तलाश रहे हैं, तो एलोवेरा जेल आपकी इस समस्या का आसान समाधान कर सकता है।

एलोवेरा जेल क्यों है स्किन के लिए फायदेमंद

ठंड के मौसम में हवा में नमी कम हो जाती है, जिसकी वजह से स्किन अपनी नेचुरल मॉइस्चर खोने लगती है। इससे स्किन ड्राई, खुरदुरी और टाइट महसूस होती है। कई बार स्किन डल भी दिखने लगती है, जिससे चेहरे की चमक कम हो जाती है। एलोवेरा में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ये तत्व स्किन को गहराई से पोषण देने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट रखते हैं। एलोवेरा जेल स्किन को सॉफ्ट बनाता है और उसकी खोई हुई नमी को वापस लाने में मदद करता है।

चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से पहले क्या करें

एलोवेरा जेल लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है। सर्दियों में आप गुनगुने पानी से चेहरा धो सकते हैं,

जिससे पोर्स खुलते हैं और स्किन पर जमी गंदगी निकल जाती है। बेहतर रिजल्ट के लिए माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका

चेहरा धोने के बाद उसे हल्के हाथों से पोंछ लें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि स्किन पर थोड़ी नमी बनी रहे। अब हथेली पर थोड़ी मात्रा में एलोवेरा जेल लें और

उंगलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से मसाज करें। इससे जेल स्किन में अच्छी तरह एब्जॉर्ब हो जाता है। आप इसे रात के समय भी लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल के साथ क्या मिलाकर लगाएं

ड्राई स्किन वालों के लिए एलोवेरा जेल के साथ नारियल तेल या बादाम तेल मिलाकर लगाना फायदेमंद हो सकता है। इससे स्किन को

पोषण मिलता है और लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

रोजाना रूप से एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से चेहरे पर नेचुरल निखार भी नजर आने लगता है।

गैस एसिडिटी का रामबाण इलाज हैं ये 5 सुपर फूड्स, पेट को भी मिलेगा फौरन आराम

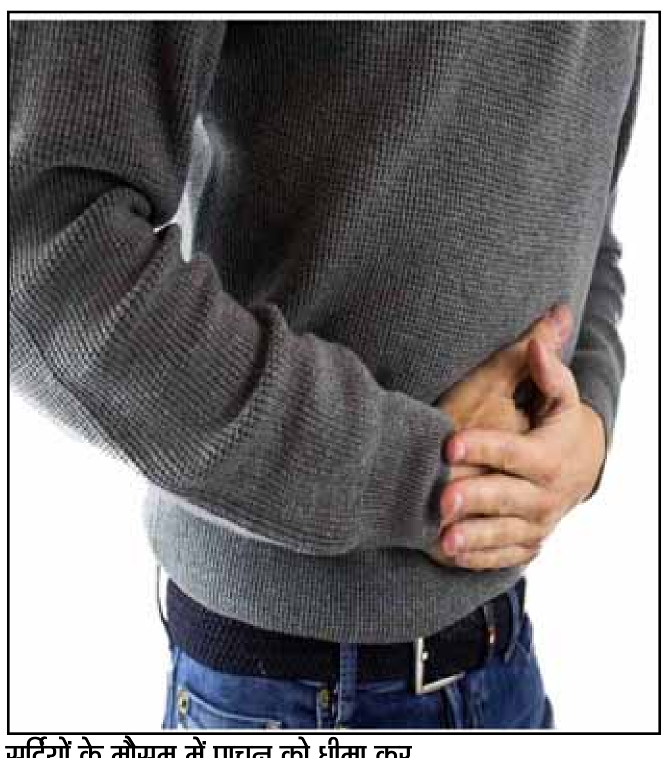

सर्दियों के मौसम में पाचन को धीमा कर देता है। इस दौरान लार का उत्पादन कम होता है। सर्दियों में लोगों को भारी और मसालेदार खाने की इच्छा होती है, जो एसिड रिफ्लक्स की समस्या का कारण बनती हैं।

हेल्दी डाइट अपनाने से पेट को आराम मिलता है और एसिडिटी की समस्या से बचाव किया जा सकता है। पाचन से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए जो हल्के हों और आसानी से पच जाएं। इस लेख में हम उन 5 खास चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका सेवन करने से सर्दियों के मौसम में एसिडिटी की समस्या से राहत मिल सकती है।

हर्बल चाय का सेवन करें

ठंड के दौरान एसिडिटी से बचने के लिए हाइड्रेशन जरुरी है। सौंफ, अदरक या कैमोमाइल टी पिएं। ये एसिड के स्राव को रोकते हैं।

सर्दियों में ज्यादा कैफीन, चॉकलेट या तले हुए खाने से बचना चाहिए। कम खाना खाएं और उसे सीधे बैठकर खाएं। रात में बेड का सिरहाना 6 से 8 इंच ऊपर रखकर सोएं।

ओट्स और साबुत अनाज खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि एसिडिटी से बचने के लिए एक बाउल केले या सेब के साथ ओटमील खाएं। इससे शरीर को घुलनशील फाइबर मिलता है जो पेट के अतिरिक्त एसिड को सोख लेता है और पाचन को दुरुस्त करता है। ओट्स का बीटा-ग्लूकन भोजन नली में एक सुरक्षा परत बनाता है जो सर्दियों में पेट की समस्याओं से निजात दिलाता है।

खट्टे फल न खाएं

ठंड के मौसम में खरबूजा, पपीता, नाशपाती जैसे खट्टे फलों का सेवन न करें। ये कम एसिड वाले फल होते हैं इनमें एंजाइम भरपूर मात्रा में होता है। पपीते में मौजूद पपैन प्रोटीन को ब्रेक करने में मदद करता है जिससे एसिड जमा नहीं होता है। संतरे या अनानास का सेवन नहीं करना चाहिए।

सर्दियों में सब्जियों को प्राथमिकता दें

हेल्थ एक्सपर्ट में बताया है कि सर्दियों में सब्जियों का सेवन करें जैसे कि- गाजर, पालक और स्टीम्ड ब्रोकली का सेवन करें, इनमें मैग्नीशियम और पोटैशियम मौजूद होता है

जिससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या दूर होती है। शकरकंद को भूनकर या मैशकर खाएं। ये पीएच लेवल को स्थिर रखता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करें

एसिडिटी से बचाव के लिए डेयरी के हल्के और सेहतमंद विकल्पों को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है।

बादाम का दूध और कम वसा वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट की अंदरूनी परत को शांत रखने में मदद करते हैं और पाचन को बेहतर बनाते हैं।

अगर दही को अदरक के साथ लिया जाए, खासकर ग्रीक दही, तो यह पेट की सूजन को कम करने में सहायक होता है।

वहीं अदरक एसिड रिफ्लक्स की समस्या को भी नियंत्रित करने में मदद करता है।

खाने के बाद सौंफ चबाएं, इसमें मौजूद एनेथॉल कंपाउंड जीआई मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है

कानपुर देहात

सचेंडी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी

दरोगा अपना रहा तरह-तरह के हथकंडे

कल जारी हुआ था वीडियो आज लेटर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सचेंडी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी निलंबित दरोगा अमित मौर्य के नाम से चार पन्नों का पत्र वायरल हो रहा है। मुख्यमंत्री और पुलिस कमिश्नर के नाम पर भेजे गए पत्र में निलंबित दरोगा ने खुद को बेकसूर बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की। उसने घटना में शामिल न होने और एक पत्रकार पर फंसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पत्र की जांच शुरू की है। सचेंडी क्षेत्र में पांच जनवरी की रात 14 वर्षीय किशोरी को स्कार्पियो कार से अगवा करके दुष्कर्म हुआ था। उसमें यू-ट्यूबर शिवबरन यादव और दरोगा अमित मौर्य पर आरोप लगे थे। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर यू-ट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया जबकि फरार दरोगा की तलाश शुरू की।

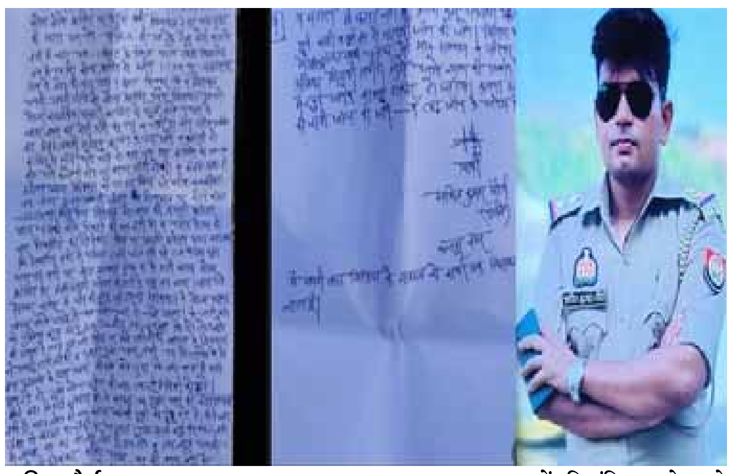

अमित मौर्य पर 50 हजार का इनाम घोषित है। पुलिस, क्राइम ब्रांच और एसटीएफ उसकी तलाश में जुटी है। सोमवार को अचानक दरोगा के नाम से चार पन्नों का एक पत्र वायरल हुआ।

निलंबित दरोगा ने पत्र में बताई उस रात की कहानी

वायरल पत्र में निलंबित दरोगा ने घटना की रात की पूरी कहानी बताई है। पत्र के अनुसार घटना की रात सचेंडी इंस्पेक्टर ने दरोगा को तीन और चार जनवरी को भीमसेन जंक्शन के पास हुई तेल चोरी के बारे में बताया। जानकारी के लिए वह आरपीएफ इंस्पेक्टर अजय कुमार मीणा से मिले। इंस्पेक्टर मीणा ने उनसे अपने स्तर पर मामले की जांच करने को कहा। उन्होंने पूर्व में तेल चोरी के आरोपी शिवबरन के बारे में बताया। व्हाट्सएप कॉल कर शिवबरन को सोना क्रॉसिंग के पास पूछताछ के लिए बुलाया। वह अपनी स्कॉर्पियो से भीमसेन जंक्शन से क्रॉसिंग पहुंचे। शिवबरन अपनी बाइक खड़ी कर कार में बैठ गया। करीब 10 मिनट बाद आरपीएफ इंस्पेक्टर भी आ गए। उन्होंने स्कॉर्पियो के अंदर शिवबरन से करीब 40 मिनट तक पूछताछ की। इंस्पेक्टर के जाने के बाद शिवबरन ने उनसे गांव के रास्ते से चलने के लिए कहा। वह अपनी कार से थे जबकि शिवबरन बाइक चला रहा था। करीब 200-300 मीटर की दूरी पर दो लोग नशे की हालत में दिखे। युवकों से पूछताछ की गई जिस पर एक ने बहन की तलाश करने की जानकारी दी। युवकों से कहा गया कि कोई बात हो तो चौकी पर आ जाना। वह रात 11:40 बजे चकरपुर मंडी पहुंचे जबकि शिवबरन अपने रास्ते पर निकल गया। फुटेज वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में होंगे। उन्हें सुबह पता चला कि रात में मिला युवक उन पर दुष्कर्म का आरोप लगा रहा है। इसकी जानकारी थाना प्रभारी को दी। वादी व पीड़ित को चौकी बुलाया गया था। वह लोग किसी पत्रकार से बात कर रहे थे। चौकी से किसी को नहीं भगाया गया। साक्ष्य के लिए आरपीएफ इंस्पेक्टर के बयान लिए जाएं।

पीड़िता का किसी से प्रेम प्रसंग

पत्र में लिखा है कि पीड़िता का किसी पंचमपुरवा के लड़के से प्रेम संबंध है। इसकी जांच कराई जाए। मोबाइल नंबर के सीएएफ और सीडीआर भी चेक हों। शिवबरन और आरपीएफ इंस्पेक्टर का बयान लेकर सत्यापन किया जाए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पत्र की जांच कराई जा रही है। आरोपी दरोगा की तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं। अगर उन्हें लगता है कि वह बेकसूर हैं तो पहले सरेंडर करें। उनके पास जो भी साक्ष्य हैं उनको प्रस्तुत करें।-

आशुतोष कुमार, जेसीपी कानून व्यवस्था

खड़ी मालगाड़ी से डीजल चोरी कर छिपाया, तीन आरोपी गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आरपीएफ को चुनौती देते हुए चोर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के न्यू भाऊपुर स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी से डीजल चोरी कर ले गए। अंधेरे में कुछ डीजल तो चोर साथ ले गए जबकि कुछ मैथा व भाऊपुर रोड किनारे झाड़ियों में छिपा दिया। सोमवार को डीजल चोर वैन और ई-रिक्शा से छिपाकर रखे गए डीजल लादने पहुंचे तभी आरपीएफ और क्राइम विंग ग्वालियर की टीम ने वाहन चालक को चोर सहित पकड़ लिया।आरोपियों के पास से प्लास्टिक केन में भरा 550 लीटर डीजल बरामद हुआ है। यह डीजल 20 नवंबर की रात न्यू भाऊपुर स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी से चोरी हुआ था। सोमवार को चोर छिपाया गया डीजल इलेक्ट्रिक ऑटो व एक ओमनी वैन से लेने पहुंचे। कानपुर देहात, शिवली निवासी राहुल कुमार, अंकित और सचेंडी भैरमपुर निवासी आसनेंद्र सिंह अंधेरे में प्लास्टिक की कट्टियां लोड कर रहे थे तभी आरपीएफ तीनों को पकड़ लिया। मौके से रस्सी व पाइप भी बरामद हुआ। आरोपी हैं। 10 केन में 550 लीटर डीजल बरामद किया।

जीआरपी चौकी प्रभारी पांच हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एंटी करप्शन विंग ने सोमवार शाम अनवरगंज के जीआरपी चौकी प्रभारी प्रेमचंद को पांच रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कोतवाली में एफआईआर दर्ज की जा रही है। अमृत भारत योजना के अंतर्गत अनवरगंज रेलवे स्टेशन को नए तरीके से विकसित किया जा रहा है। स्टेशन, प्लेटफार्म और परिसर का सौंदर्यीकरण जारी है। प्लेटफार्म एक और दो पर टाइल्स लगवा रहे ठेकेदार संदीप ने एंटी करप्शन थाने में जीआरपी चौकी इंचार्ज प्रेमचंद के खिलाफ हर महीने पांच हजार सुविधा शुल्क मांगने की शिकायत की थी। एंटी करप्शन टीम ने ट्रैप तैयार किया। ठेकेदार को केमिकल लगे हुए नोट दिए गए।

सोमवार शाम अनवरगंज स्टेशन के पास चौकी इंचार्ज को बुलाया और रुपये दिए। रुपये लेते ही टीम ने आरोपी दरोगा को दबोच लिया। एंटी करप्शन थाना प्रभारी जटा शंकर ने बताया की चौकी इंचार्ज के खिलाफ कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। चौकी प्रभारी मूलरूप से मथुरा के रहने वाले हैं। जीआरपी के अधिकारियों को कार्रवाई की सूचना दे दी गई है।

वाहन से टकराई कार, डॉक्टर दंपती घायल

फतेहपुर। कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकराकर दूसरे लेन में पहुंच गई। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। इससे कार फिर से उसी लेन में पहुंच गई। 45 सेकंड के इस हादसे में कार हाईवे पर छह बार पलटी और ट्रक भी पलट गया। हादसे में कार सवार मेरठ मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टर दंपती बुरी तरह घायल हो गए। करीब 30 मिनट तक वाहनों की कतारें लगी रहीं।थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा के पानीपत निवासी मनीष पत्नी पल्लवी के साथ कार से बनारस सेमिनार में शामिल होने जा रहे थे। दंपती मेरठ मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं। कानपुर-प्रयागराग हाईवे पर जयसिंहपुर मोड़ के पास 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही कार सामने चल रहे ट्रक से टकरा गई ।

राज्यपाल ने कानपुर नगर के राजकीय बाल सुधार गृह (बालिका) का किया निरीक्षण

» बालिकाओं से संवाद कर शैक्षणिक, मानसिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का लिया फीडबैक

राज्यपाल ने शिक्षा, अनुशासन और कौशल विकास पर दिया जोर, आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज कानपुर नगर स्थित राजकीय बाल सुधार गृह (बालिका), स्वरूप नगर का निरीक्षण किया। उन्होंने बालिका गृह में निवासित बालिकाओं से संवाद कर शैक्षणिक, आवासीय, पोषण एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं की स्थिति का फीडबैक प्राप्त किया।

राज्यपाल जी ने बालिकाओं को शिक्षा को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि शिक्षित और संस्कारित बेटियाँ समाज को दिशा देने का कार्य करती हैं। उन्होंने बालिकाओं को नियमित रूप से डायरी लेखन की सलाह देते हुए कहा कि इससे आत्ममूल्यांकन, अनुशासन और लक्ष्यबद्ध जीवन-शैली विकसित होती है।

राज्यपाल जी ने बालिकाओं को कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ने के निर्देश देते हुए कहा कि संस्थागत देखरेख का उद्देश्य केवल संरक्षण नहीं,

बल्कि बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करना है। संवाद के दौरान राज्यपाल जी ने बालिकाओं से प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर उन्होंने आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ दिया।

राज्यपाल जी ने राजभवन से लाई गई पुस्तकें एवं उपयोगी सामग्री बालिकाओं को भेंट की। इस अवसर पर बालिकाओं ने भी सृजनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में स्वयं द्वारा तैयार की गई पेंटिंग्स एवं स्मृति-चिह्न राज्यपाल जी को भेंट किए।

निरीक्षण के दौरान राज्यपाल जी ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय,

कानपुर की छात्राओं से भी संवाद किया, जो बालिका गृह की बालिकाओं की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग से जुड़ी हैं।

राज्यपाल जी ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मानसिक परामर्श बालिकाओं के भावनात्मक संतुलन, आत्मविश्वास और पुनर्वास प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार है।

राज्यपाल जी ने परिसर में स्थित पुस्तकालय, रसोईघर, भंडारगृह, आवासीय कक्षों सहित अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। राजभवन से आई टीम द्वारा बालिका गृह की व्यवस्थाओं का समग्र मूल्यांकन कर रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं विकासात्मक कदम उठाए जाएंगे।

इस अवसर पर मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन, पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विवाद के बाद चौकीदार ने दंपती को बेरहमी से पीटा, पति की मौत, पत्नी की हालत गंभीर, रिफर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बसौसी में इंटर कॉलेज के बाहर दंपती झोपड़ी डालकर रह रहे थे। पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। शिवली थाना क्षेत्र के बसौसी स्थित एक इंटर कॉलेज के चौकीदार व उसकी पत्नी ने स्कूल के बाहर झोपड़ी डालकर रह रहे दंपती से कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना के बाद पीड़ित सीएचसी में इलाज कराने के बाद घर वापस पहुंचे तो आरोपियों ने अपने अन्य साथी को बुलाकर दंपती पर लाठी-डंडों से दोबारा हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए पति की हैलट कानपुर में मौत हो गई।

जबकि पत्नी की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। मृतका की बेटी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।मलिकपुर निवासी देवकीनंदन पासवान (50) बन्नापुर स्थित एक स्कूल के सामने झोपड़ी डालकर परिजन के साथ रहते थे। बेटी गोमती ने बताया कि स्कूल का चौकीदार गोविंद आए दिन शराब के नशे में गाली-गलौज करता था। रविवार शाम को भी चौकीदार गाली-गलौज कर रहा था तो पिता ने उसको रोका तो आरोपी व उसकी पत्नी संगम ने उसके पिता देवकीनंदन, मां ममता के साथ मारपीट कर दी। इस पर उसने

एंबुलेंस को सूचना दी लेकिन माता- पिता की हालत बिगड़ती देख वह निजी वाहन ने उनको सीएचसी शिवली ले गई। उपचार करवाने के बाद लौटने पर आरोपी गोविंद, उसकी पत्नी संगम ने कुछ अन्य लोग मौके पर बुला लिए।

आरोपियों ने रात में करीब 11:30 बजे आग ताप रहे पिता के ऊपर लाठी- डंडे व हथौड़ी से हमला कर दिया। बचाने पहुंची मां ममता को भी आरोपियों ने पीटकर लहूलुहान कर दिया। परिजन घायलों को दोबारा सीएचसी ले गए। वहां डॉक्टर ने दोनों लोगों की हालत नाजुक देखते हुए उनको हैलट कानपुर नगर रेफर कर दिया। हैलट में इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जबकि मां की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। देवकीनंदन की मौत पर बेटी गोमती, बिट्टो, बेटा सूरज व परिजन रो- रोकर बेहाल हैं। गोमती ने बताया कि पहले माता-पिता मलिकपुर में ही रहते थे। भाई सूरज की शादी के बाद वह मां ममता, बहन बिट्टो के साथ स्कूल के सामने झोपड़ी रख कर रह रहे थे। जबकि भाई व भाभी गांव के मकान में रहते हैं।शिवली थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि पहले देवकीनंदन स्कूल में चौकीदार का काम करता था। कुछ समय पहले स्कूल प्रबंधन ने उसको नौकरी से निकाल कर गांव के ही गोविंद को चौकीदारी पर रख लिया था। इसी के चलते दोनों में विवाद हुआ था।

कोहरे में तेजस सहित 27 ट्रेनें साढ़े नौ घंटा तक लेट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कोहरे में ट्रेनों की लेटलतीफी अभी भी जारी है। तेजस और अन्य स्पेशल सहित करीब 27 ट्रेनें कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर साढ़े नौ घंटे तक देरी से आईं। ट्रेनों की लेटलतीफी से परेशान होकर करीब 427 यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द की। सोमवार को 09452 भागलपुर-गांधीग्राम स्पेशल 09:30 घंटे, 11124

बरौनी-ग्वालियर मेल नौ घंटे, 82502 लखनऊ तेजस पांच घंटे, 02564 बरौनी स्पेशल पांच घंटे, 19038 अवध एक्सप्रेस तीन घंटे, 12435 जयनगर-आनंद विहार गरीब रथ तीन घंटे, 64211 लखनऊ-कानपुर सेंट्रल मेमू तीन घंटे, 11110 लखनऊ-झांसी इंटरसिटी ढाई घंटे, 22362 राजेंद्र नगर अमृत भारत चार घंटे देरी से आई। वहीं 22426 अयोध्या कैंट वंदे भारत करीब तीन घंटे लेट हुई तो इसमें सफर कर रहे यात्री शिवम यादव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा कि इस लेटलतीफी में उनकी मीटिंग छूट जाएगी।

अखिलेश दुबे के साथी विमल के घर, स्कूल और होटल पर कुर्की का नोटिस चस्पा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । जेल में बंद अखिलेश दुबे के फरार साथी विमल यादव की जल्द ही छह संपत्तियां कुर्क होंगी। नौबस्ता पुलिस ने सोमवार को ढोल बाजों के साथ विमल के बर्रा स्थित घर और कानपुर देहात स्थित होटल और स्कूल पर कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया है।

गुरुवार को कोर्ट ने नौबस्ता पुलिस को नोटिस चस्पा करने की अनुमति दी थी।

आरोपी विमल यादव पिछले छह माह से पुलिस से छिपता फिर रहा है। उस पर डेरे वाली लड़कियों की मदद से भाजपा नेता रवि सतीजा को दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर 50 लाख रुपये की रंगदारी वसूल करने की कोशिश का आरोप है।

मामले का खुलासा होने पर सतीजा ने छह अगस्त को बर्रा थाने में अधिवक्ता अखिलेश दुबे और विमल यादव, लवी मिश्रा अभिषेक बाजपेई आदि के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। विवेचना कर रहे नौबस्ता इंस्पेक्टर ने अखिलेश दुबे, लवी मिश्रा, टोनू यादव समेट कई को गिरफ्तार कर जेल भेजा। अभिषेक बाजपेई और विमल यादव अब तक वांछित हैं। कोर्ट से दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी है।

अखिलेश दुबे के साथी विमल की संपत्तियों पर कार्रवाई – फोटो : अमर उजाला

नौबस्ता इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने बताया कि बर्रा स्थित सोना मेंशन में फ्लैट, कानपुर देहात के रूरा स्थित उलरापुर गांव वाले घर, अकबरपुर स्थित दक्ष पब्लिक स्कूल, अकबरपुर के गांधीनगर में निर्माणाधीन स्कूल, अकबरपुर हाईवे पर होटल अमर विला और अमर भोग पर नोटिस चस्पा किया गया है।

जिलाधिकारी ने कल्याणपुर विधानसभा के विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ व नागरिकों से किया संवाद

कानपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर अभियान के अंतर्गत संचालित विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जनपद में बूथ डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद के समस्त मतदान केंद्रों पर प्रकाशित मतदाता सूची का सार्वजनिक वाचन कराया गया।बूथ डे के क्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र वीएसएसडी कॉलेज में बूथ संख्या 261 से 269, जुगल देवी सरस्वती विद्या मंदिर, दीनदयाल नगर में बूथ संख्या 243 से 251 तथा सीएसए विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बूथ संख्या 285 से 292 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों से संवाद किया और मौके पर उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जुगल देवी सरस्वती विद्या मंदिर स्थित एक बूथ पर बीएलओ उपासना सिंह की अनुपस्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के कुल 3770 मतदान केंद्रों पर बूथ डे का आयोजन किया गया है। विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नए मतदाताओं को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाला प्रत्येक पात्र नागरिक फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा सकता है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि फॉर्म-6 भरते समय आधार कार्ड अनुमन्य है। पात्रता की शर्तों में 18 वर्ष की आयु पूर्ण होना, भारत का नागरिक होना तथा संबंधित विधानसभा क्षेत्र का सामान्य निवासी होना शामिल है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नए मतदाता जोड़ने की प्रक्रिया एसआईआर मैपिंग से अलग है तथा फॉर्म-6 के साथ किसी प्रकार का अतिरिक्त साक्ष्य नहीं मांगा जा रहा है।

सनक, शक और मर्डरः पसंदीदा जैकेट दिलाई, फिर भी प्यार में धोखा दिया

पति बोला- आपत्तिजनक हालत में देख खोया आपा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पति सचिन के अनुसार, शुक्रवार रात अचानक घर पहुंचने पर पत्नी श्वेता को तीन युवकों के साथ बैठे देखा था। पत्नी के अवैध संबंध के शक पर गला दबाकर की हत्या कर दी। श्वेता के पिता राजकुमार ने परिजन पर दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर हत्या का आरोप लगाया है। महाराजपुर थाने में पुलिस के सामने अपने गुनाह कबूल करते हुए सचिन ने बताया कि वह पत्नी श्वेता को बहुत प्यार करता था। वह तीन बहनों में सबसे बड़ी थी और गांव में उसके घर के सामने रहती थी। दोनों में तीन साल तक प्रेम संबंध रहे। घर वाले इसका विरोध करते थे। इसके बाद युवती के परिजन ने गाजीपुर थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। दो माह जेल में रहने के बाद जब जमानत पर छूटा, तो श्वेता से प्रेम विवाह कर लिया। वहीं, एक महिला की शिकायत पर हुसैनगंज में हुए हादसे में युवक की मौत का आरोप उस पर लग चुका है। सचिन ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद वह शहर से भाग जाना चाहता था। सेंट्रल स्टेशन भी गया था लेकिन फिर समर्पण करने के उद्देश्य से थाने पहुंच गया। बोला कि दो दिन पहले ही पत्नी ने जैकेट के लिए जिद की थी। उसकी पसंदीदा जैकेट दिलाई थी इसके बाद भी उसने धोखा दे दिया।

पूर्व प्रेमिका से संबंध के शक में लगा था दोस्त की हत्या का आरोप

श्वेता की हत्या करने के आरोपी सचिन पर पहले भी आशनाई के विवाद में दोस्त की हत्या कर चुका है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाने के मोहनपुर निवासी सचिन सिंह अगस्त 2024 में साथियों के साथ हत्याकांड को अंजाम दिया था। सचिन का एक युवती से प्रेम प्रसंग था। सचिन को युवती पर पैथोलॉजी कर्मी दोस्त अमित कुमार से बात करने का शक था।

लात-घूंसों से पीटकर की थी हत्या

इसी रंजिश में हुसैनगंज थाना क्षेत्र के तारापुर गांव निवासी अमित कुमार की गाजीपुर थाना क्षेत्र समियाना निवासी आदर्श सिंह उर्फ कपिल व ललौली थाना क्षेत्र के बनरसी गांव निवासी अभय कुमार रैदास के साथ अमित की लात-घूंसों से पीटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सचिन की शनिवार को पत्नी श्वेता की हत्या करने की बात गांव तक पहुंची है। सचिन का श्वेता के साथ करीब तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर हत्या का आरोप

श्वेता के परिजन ने जुलाई माह में छेड़छाड़ की प्राथमिकी भी सचिन पर दर्ज कराई थी। परिजन के विरोध के बावजूद दोनों ने प्रेम विवाह किया था। सचिन कुछ दिनों तक उसके साथ सूरत में रहा। इसके बाद वह कानपुर के महाराजपुर थाने के रूमा स्थित न्यू हाईटेक सिटी में मुस्कान चैरिटेबल पॉली क्लीनिक में किराये के कमरे पर रहता था। वह शुक्रवार रात अचानक घर पहुंचने पर पत्नी श्वेता को तीन युवकों के साथ बैठे देखा था। पत्नी के अवैध संबंध के शक पर सचिन ने गला दबाकर श्वेता की हत्या कर दी। श्वेता के पिता राजकुमार ने परिजन पर दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर हत्या का आरोप लगाया है।

पिता बोला- दहेज के लिए बेटी की हुई हत्या

मृतका श्वेता के पिता राजकुमार ने शनिवार देर शाम महाराजपुर थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया कि दहेज के लिए उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। उनके अनुसार गांव के ही रहने वाले भारत सिंह भदौरिया के बेटे सचिन ने श्वेता से विवाह कर लिया था। इसके बाद सचिन व उसके पिता भारत सिंह व माता नीतू सिंह, बड़े भाई अरुण सिंह उर्फ गोलू तथा बेटी छुटकी 10 लाख रुपये व दहेज के सारे सामान की मांग कर रहे थे। उनकी मांग पूरी न कर पाने पर हत्या करने का आरोप लगाया।

ये था पूरा मामला

महाराजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पत्नी श्वेता (21) के चरित्र पर शक में ऑटो चालक पति सचिन सिंह ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। दोनों ने चार माह पूर्व प्रेम विवाह किया था। पत्नी को मौत के घाट उतारने के बाद आरोपी पति ने शनिवार सुबह करीब 11 बजे थाने पहुंचकर समर्पण कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद कमरे पर पहुंचकर तलाशी ली तो महिला का शव बिस्तर पर कंबल से लिपटा पड़ा मिला। फॉरेंसिक टीम के साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कन्नौज जेलकांड

13 दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा जेल से फरार बंदी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।13 दिनों तक पुलिस को छकाने वाले शातिर डंपी रविवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुआ है। उसके पैर में गोली लगनी है, जिसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कन्नौज जिले में पुलिस को आज एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

बीते पांच जनवरी को जिला कारागार कन्नौज की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर फरार हुए विचाराधीन बंदी डंपी उर्फ शिवा को पुलिस ने रविवार को एक मुठभेड़ के दौरान धर दबोचा। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई इस फायरिंग में अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लगी है, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन में फरार बंदियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। रविवार, 18 जनवरी को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि फरार अभियुक्त डंपी उर्फ शिवा, जो कि मलगवां(थाना ठठिया) का निवासी है, कोतवाली गुरसहायगंज क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुरादगंज क्रॉसिंग से तिर्वा रोड की ओर जाने वाले रास्ते पर तारा बगिया के पास घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली शिवा के बाएं पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर है।

कपड़ा बाजार में आए नहीं रामनाथ कोविंद पर स्वागत में खर्च 30 हजार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वित्तीय अनियमितता पर रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) कानपुर की ओर से कानपुर कपड़ा कमेटी के निदेशकों और पूर्व निदेशकों को आए नोटिस के बाद से कमेटी में विवाद बढ़ता जा रहा है। तीन साल पहले हुए कमेटी के शताब्दी समारोह के खर्च पर नए-नए सवाल खड़े हो रहे हैं। समारोह में मुख्य अतिथि और पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा पर ही हजारों रुपये खर्च किया गया। 40 हजार रुपये की सिक्योरिटी और 15 हजार बाउंसर का भी खर्च दिखाया गया है जबकि पूर्व राष्ट्रपति को शासन और जिला प्रशासन से ही पूरी सुरक्षा मिलती है। 35 हजार का डीजल और दिल्ली जाने पर हजारों रुपये खर्च किए गए। खास बात यह है कि कपड़ा कमेटी आरओसी में पंजीकृत थी। इसके बाद भी नकद भुगतान किया गया। कमेटी को भी इसकी जानकारी तत्कालीन पदाधिकारियों ने महीनों तक नहीं दी। कमेटी के निदेशक और सागरी ग्रुप के संचालक रुमित सिंह सागरी ने बताया कि समारोह के नाम पर लाखों रुपये की गड़बड़ी की गई है। मुख्य अतिथि को दिल्ली आमंत्रित करने जाने के लिए गिफ्ट और मिठाई पर क्रमशः 31390, 4000 और 2300 रुपये खर्च किया गया। 40598 रुपये दुपट्टा में खर्च दिया गया जिसमें 32 हजार रुपये केवल प्रिंटिंग के खर्च दिखाए गए। 30 हजार रुपये बाजार में स्वागत द्वार पर खर्च दिखाया गया जबकि कार्यक्रम मर्चेंट चैंबर सभागार में किया गया था। 13 हजार के झंडे बाजार में लगवाए जाना दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि कमेटी आरओसी में धारा 8 के तहत पंजीकृत है यानी नो प्राफिट नो लॉस। इसके बाद भी पांच लाख रुपये दान लेना और बाद में वापस करना दिखाया गया। नियमों को दरकिनार करके पैसे खर्च किए गए। नियम यह है कि 5000 से अधिक के नकद खर्च में कमेटी की मंजूरी जरूरी है। इसका भी पालन नहीं हुआ।बताया गया कि जून 2023 में शताब्दी समारोह हुआ था और खर्च का ब्योरा दिसंबर 2023 तक नहीं दिया गया। कमेटी के शताब्दी वर्ष समारोह में हुए खर्च को लेकर कोषाध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। आरोप लगाया था कि काम के लिए कोटेशन तक नहीं मंगवाए गए। बाद में कमेटी के पूर्व पांच पदाधिकारियों ने बैठक की थी। इसमें कोषाध्यक्ष भी शामिल हुए थे जबकि वे इस्तीफा दे चुके थे। इसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष रुमित सिंह सागरी, निदेशक वीरेंद्र गुलाटी और राकेश कपूर को भी बुलाया नहीं गया था। केवल पांच लोगों ने 30 लाख रुपये के आय व्यय को बिना सदन में पास किए भुगतान कर दिया। छह महीने के ऑफिस खर्च का भी विवाद हुआ था।कानपुर कपड़ा कमेटी के पूर्व प्रधान सचिव नवीन निवेटिया के भाई ज्योति निवेटिया ने एक पत्र कानपुर कपड़ा कमेटी के चुनाव बोर्ड को भेजा है। यह पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसकी पुष्टि अमर उजाला नहीं करता है। पत्र में हाल ही में हुए कानपुर कपड़ा कमेटी के चुनाव को रद्द करने की मांग उठाई है। मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यनारायण सिंहानिया का कहना है कि उन्हें कोई पत्र नहीं मिला है। चुनाव कैसे रद्द किया जा सकता है जबकि सभी सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं।

शेयर मार्केट में 12 लाख का घाटा, स्क्रैप कारोबारी ने दी जान

कानपुर। किदवईनगर निवासी स्क्रैप कारोबारी ने शुक्रवार शाम पनकी में दोस्त के घर में फंदा लगा कर जान दे दी। वह जमीन बेचने से मिले 12 लाख रुपये शेयर मार्केट में डूबने से परेशान था। ड्यूटी से दोस्त के लौटने पर परिजनों को घटना का पता चला। पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम भेजा।मूलरूप से बांदा के अतर्रा ओरध निवासी संजय कुमार त्रिपाठी (36) स्क्रैप का कारोबार करते थे। वह दो साल से किदवईनगर के-ब्लॉक में परिवार के साथ किराये पर रह रहे थे। संजय के छोटे भाई राहुल ने बताया कि संजय शेयर मार्केट में निवेश करते थे। इस कारण उनकों लाखों का घाटा भी हो चुका था। कुछ दिन पहले पिता भरत लाल ने गांव में कुछ जमीन बेची थी। उसके 12 लाख रुपये भी संजय के संयुक्त खाते में जमा हुए थे। वह पैसा भी उसने शेयर मार्केट में निवेश के बाद डूब गया। इससे वह काफी परेशान था। कारोबार भी सही नहीं चल रहा था।शुक्रवार दोपहर बाद वह पनकी यार्ड निवासी अपने मित्र धर्मेंद्र से मिलने गया था।

वहीं खाना खाया और लेट गया। धर्मेंद्र के ड्यूटी चले जाने पर खुद को अकेला पाकर उसने वहीं फंदा लगा लिया। धर्मेंद्र लौटा तो उसने संजय को फंदे पर लटका पाया। परिजन और पुलिस को सूचना दी।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।